मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित दैनिक समाचार-पत्र

हमारा उद्देश्य सेवा समर्पण जनकल्याण

एक सत बुलेटिन

E-mail: eksatbulletin@gmail.com | भोपाल, शुक्रवार 25 सितंबर 2026 | वर्ष-08, अंक-310, पृष्ठ-08, मूल्य- दो रुपए | Website: www.eksatbulletin.in

दिशा सालियान केस में नया मोड़, आदित्य ठाकरे ने खारिज किया 500 करोड़ का मानहानि नोटिस

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) विधायक आदित्य ठाकरे ने दिवंगत दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान की ओर से भेजे गए 500 करोड़ रुपये के मानहानि नोटिस को खारिज करते हुए सोशल मीडिया पर किए गए

अपने पोस्ट वापस लेने, माफी मांगने या मांगी गई क्षतिपूर्ति राशि का भुगतान करने से भी इनकार किया है। उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता अंशुमान सिन्हा के माध्यम से भेजे गये 25 पृष्ठों के कानूनी जवाब में आदित्य ठाकरे ने आरोपों से इनकार करते हुए नोटिस को कानूनी रूप से आधारहीन बताया। उन्होंने कहा कि 16 सितंबर को अंग्रेजी और मराठी में किए गये उनके पोस्ट में सतीश सालियान का नाम नहीं लिया गया था और न ही उनकी पहचान बताई गई थी।

आदित्य ठाकरे की कानूनी टीम ने कहा कि ये पोस्ट उस राजनीतिक और मीडिया अभियान के खिलाफ थे, जिसमें ठाकरे के नाम को दिशा सालियान की मौत से लगातार जोड़ा जा रहा है। उनका कहना है कि पोस्ट सतीश सालियान को व्यक्तिगत रूप से निशाना बनाकर नहीं किए गए थे। आदित्य ठाकरे ने 500 करोड़ रुपए की क्षतिपूर्ति की मांग को भी खारिज करते हुए कहा कि नोटिस में न तो किसी तरह की गणना दी गई है, न ही किसी विशिष्ट वित्तीय नुकसान का उल्लेख है और न ही इतनी बड़ी राशि तय करने का कोई आधार बताया गया है। उन्होंने कहा कि वह अपने पहले के रुख पर कायम हैं कि वह कभी दिशा सालियान से न तो मिले थे और न ही उन्हें जानते थे। उन्होंने मामले के पहले के चरणों में दिए गए बयानों और अदालत के रिकॉर्ड का हवाला देते हुए दावा किया है कि दिशा की मौत की परिस्थितियों को लेकर श्री सालियान के पहले और बाद के रुख में अंतर रहा है। आदित्य ठाकरे ने कहा कि चल रही जांच को स्वतंत्र रूप से तथ्यों को सामने लाने का मौका दिया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने देवास जिले के पुंजापुरा में किया सेवा संकल्प बाइक राइडर्स का स्वागत

पीएम मोदी ने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों में सेवा भाव को भी किया चरितार्थ : मुख्यमंत्री

सामाजिक सुरक्षा पेंशन के 35 लाख से अधिक हितग्राहियों को सिंगल क्लिक से 212 करोड़ से अधिक की राशि अंतरित की

एक सत बुलेटिन, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों में निरंतर परिश्रम, अनुशासन और राष्ट्र धर्म की भावना के साथ काम किया है। वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनकी संवैधानिक जिम्मेदारी की शुरूआत हुई और आज वे देश के प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग के हर व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास उनकी कार्यशैली में स्पष्ट दिखाई देता है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश को भव्य और दिव्य श्रीराम मंदिर की सौगात दी। इसके साथ ही राम राज्य की संकल्पना को साकार करते हुए हर गरीब को घर, पर्याप्त भोजन और बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत वडनगर से वाराणसी जा रही युवाओं की बाइक यात्रा का देवास जिले के पुंजापुरा में स्वागत करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के प्रदेश के 35 लाख 42 हजार हितग्राहियों को सिंगल क्लिक से 212 करोड़ 57 लाख रुपए की राशि उनके खातों में अंतरित की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने करणावत पुलिस सहायता केंद्र को पुलिस थाना बनाने, पुलिस जवानों के लिए आवास निर्माण करने तथा शासकीय गोदाम के लिए राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में सेवा संकल्प बाइक यात्रा में बाइक राइड

भी की। मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी प्रदान की। हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। उन्होंने बाइक राइडर्स के साथ पौधरोपण भी किया। उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा तथा सांसद श्री वी.डी. शर्मा इस अवसर पर विशेष रूप से उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने वडनगर से वाराणसी के लिए निकाली गई ह्यसेवा संकल्प बाइक यात्राह्न में शामिल राइडर्स से अलग-अलग स्थानों से वर्चुअली संवाद किया। देवास जिले के पुंजापुरा में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की उपस्थिति में बाइक राइडर्स दल के सेवा यात्री श्री दीपेश गोटी ने प्रधानमंत्री से संवाद में अब तक की अपनी यात्रा के अनुभव साझा किए। शाजापुर जिले के निवासी श्री गोटी ने बताया कि यात्रा के दौरान अन्य राज्यों के युवाओं से दूसरी भाषाएं सीखने और उनकी संस्कृति से परिचित होने का अवसर मिला है। रास्ते में पीएम आवास के हितग्राहियों से मुलाकात हुई। विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को नमो ऐप से जोड़ा जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि यात्रा के दौरान सेवा, जनसंवाद और राष्ट्रीय एकता से जुड़े संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। हमारी संस्कृति में प्राचीन काल से यात्राओं का विशेष महत्व रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देशवासियों की सेवा के लिए अपने संकल्प से जीवन का प्रत्येक क्षण और अपना कण-कण राष्ट्र को समर्पित किया है। प्रत्येक नागरिक के जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी लगातार सक्रिय हैं । मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देवास का बागली तपोनिष्ठ नेता पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कैलाश जोशी का कार्य क्षेत्र रहा है। समर्पित कार्यकताओं के अथक परिश्रम के माध्यम से ही विकास और जनकल्याण की यात्रा निरंतर जारी है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार सेवा और जनकल्याण की सभी योजनाओं को तेजी से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि 25 सितंबर को पं. दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर मध्यप्रदेश में 20 साल से बंद राज्य परिवहन निगम की बसों के संचालन का फिर श्रीगणेश होने जा रहे हैं। मध्यप्रदेश में 5 लाख किलोमीटर का सड़क नेटवर्क है, प्रदेश में हाइवे और एक्सप्रेस-वे भी तेजी से बनाए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने मध्यप्रदेश के युवाओं की उद्यमशीलता को सराहा

प्रधानमंत्री श्री मोदी के वड़नगर में स्थानीय लोगों से संपर्क बढ़ाने के सवाल पर श्री दीपेश गोटी ने बताया कि उन्होंने अपने व्यापार-व्यवसाय की दृष्टि से कुछ स्थानीय लोगों के मोबाइल नंबर लिए हैं। इस पर प्रधानमंत्री श्री मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह अच्छी बात है। अब मध्यप्रदेश का भी मिजाज बदल रहा है। मध्यप्रदेश के युवा भी जहां जा रहे है, वहां व्यापार के अवसर खोज रहे हैं, उनमें उद्यमशीलता भरी है। मध्यप्रदेश के युवाओं ने सेवा संकल्प यात्रा में 'माय प्रामिस टू मोदी जी' का नवाचार किया है, जिसमें 25 सेवा कार्य लिस्ट किए हैं और हर सेवा यात्री को किसी एक सेवा का संकल्प दिलाया जा रहा है।

59,400 करोड़ रुपए पीछे छूटे अंबानी

भारत के सबसे बड़े रईस बने गौतम अडानी

एजेन्सी, मुंबई

जाने-माने उद्योगपति गौतम अडानी और उनके परिवार ने मुकेश अंबानी और उनके परिवार को पीछे छोडकर हुरुन इंडिया रिच लिस्ट-2026 में पहला स्थान फिर से हासिल कर लिया है। अडानी की संपत्ति 13 फीसदी बढकर 9.23 लाख करोड़ रुपए (96 बिलियन डालर) हो गई, जबकि अंबानी की संपत्ति 10 फीसदी घटकर 8.63 लाख करोड़ रुपए (90 बिलियन डालर) रह गई। अब अडानी, अंबानी से 59,400 करोड़ रुपए आगे हैं। ताजा हुरुन लिस्ट में ऐसे 1,810 लोग शामिल हैं, जिनकी संपत्ति कम से कम 1,000 करोड़ रुपए है। उनकी कुल संपत्ति पिछले साल के मुकाबले 12.8 फीसदी बढकर 187.5 लाख करोड़ रुपए (1.96 ट्रिलियन डालर) हो गई है, जो भारत की जीडीपी के लगभग आधे के बराबर है। भारत में अब रिकार्ड 391 अरबपति हैं, जबकि पांच साल पहले यह संख्या 237 थी। पिछले एक साल में देश में 27 नए अरबपति जुड़े हैं।

लिस्ट में आर्सेलर-मित्तल के एलएन मित्तल और उनका परिवार आठ पायदान ऊपर चढकर तीसरे स्थान पर पहुंच गया है। उनकी संपत्ति 93 फीसदी बढकर 3.39 लाख करोड़ रुपए हो गई। मित्तल ने लिस्ट में सबसे ज्यादा संपत्ति (1.64 लाख करोड़ रुपए) जोड? का रिकार्ड बनाया। वेदांता रिसोर्सेज के अनिल अग्रवाल और उनके परिवार की संपत्ति 87 फीसदी बढकर 2.08 लाख करोड़ रुपए हो गई।

मोदी ने 8-8 के ग्रुप में मंत्रियों की क्लास लीः कहा...

लोगों से बेहतर संवाद बनाएं, योजनाओं का पूरा लाभ जरूरतमंदों तक पहुंचाने का मंत्र दिया

एजेन्सी, नई दिल्ली

केंद्रीय की मोदी सरकार के पूरे मंत्रिपरिषद के चिंतन शिविर में गुरुवार को सरकारी योजनाओं का पूरा लाभ वास्तविक जरुरतमंदों तक पहुंचाने और लोगों की भलाई के कामों की जानकारी लोगों तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर बात हुई। मोदी ने मंत्रियों से कहा कि लोगों का जीवन आसान बनाना हमारा टारगेट होना चाहिए। लगातार दूसरे दिन मंत्री आठ समूहों में बंटे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर समूह से बातचीत की और सभी मंत्रियों को संबोधित भी किया।

सरकार की करीब 40-45 कल्याणकारी योजनाएं हैं। बैठक में इन सभी योजनाओं को वास्तविक लाभार्थियों तक 100% पहुंचाने के तरीकों पर मुख्य रूप से चर्चा हुई। आने वाले दिनों में जनता से प्रभावी संवाद पर सरकार जोर देगी।

सूत्रों के मुताबिक, मंत्रियों के दो दिवसीय सम्मेलन के पहले दिन बुधवार को शासन, सुधार और कल्याणकारी व विकास योजनाओं को महिलाओं और युवाओं तक पहुंचाने समेत कई मुद्दों पर बातचीत हुई। मंत्रियों ने अलग-अलग मंत्रालयों और विभागों के बीच बेहतर तालमेल से सरकारी कामकाज की व्यवस्था सुधारने पर भी विचार किया।

प्रधानमंत्री ने मंत्रियों से फीडबैक लिया। उन्होंने सरकार के अलग-अलग कामों को आगे बढ़ाने के तरीकों पर उन्हें सलाह भी दी। मंत्रियों ने शासन, सुधार और महिलाओं व युवाओं तक कल्याणकारी तथा विकास योजनाओं की पहुंच से जुड़े मुद्दों पर बातचीत की। मंत्रियों ने जन विश्वास से जन आधार, सरकार के सभी क्षेत्रों में सुधार और विकसित भारत@2047 की प्राथमिकताओं पर भी विचार किया। दो दिवसीय विचार-विमर्श का उद्देश्य सरकारी कामकाज की समीक्षा, तालमेल सुधारना और भविष्य की कार्ययोजना तैयार करना है।

राहुल के आरोपों पर भाजपा का जवाब

'राजनीतिक ज्ञान शून्य', सुधांशु बोले- जिस रिपोर्ट की बात उसका आधार क्या?

एजेन्सी, नई दिल्ली

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की ओर से चुनावी व्यवस्था और एंटी-इन्कंबेंसी को लेकर दिए गए बयानों पर भाजपा ने पलटवार किया है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने राहुल गांधी के दावों पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनके द्वारा पेश की गई जानकारी का स्रोत और आधार स्पष्ट नहीं है।

प्रेस कॉन्फ्रेंस में सुधांशु त्रिवेदी ने राहुल गांधी के राजनीतिक ज्ञान पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी भारतीय राजनीति के इतिहास और अलग-अलग राज्यों में कांग्रेस के सत्ता में रहने के रिकॉर्ड को ठीक से नहीं समझते।

सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि राहुल गांधी ने एक बार फिर प्रेस कॉन्फ्रेंस में पीपीटी के जरिए अपनी बात रखी, लेकिन इसमें जिन स्रोतों

और रिपोर्टों का इस्तेमाल किया गया, उनका आधार स्पष्ट नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि ये ऐसे स्रोत हैं, जिनकी विश्वसनीयता और पहचान को लेकर सवाल हैं। भाजपा नेता ने कहा कि राहुल गांधी को भारतीय राजनीति की वास्तविकता को समझने की जरूरत है। उन्होंने कांग्रेस के अलग-अलग राज्यों में सत्ता में रहने के इतिहास का जिक्र करते हुए राहुल गांधी के एंटी-इन्कंबेंसी वाले तर्क पर सवाल उठाया। त्रिवेदी ने कहा कि तमिलनाडु में 1967 के बाद से कांग्रेस सत्ता में नहीं आई है। उस समय भारतीय जनता पार्टी का अस्तित्व भी नहीं था।

ट्रम्प-जिनपिंग की मुलाकात का अमेरिकी मीडिया ने बायकॉट किया

जिनपिंग बोले- अमेरिका और चीन टकराव से बचें; ट्रम्प ने कहा- हम सच्चे दोस्त

एजेन्सी, नई दिल्ली

चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग व्हाइट हाउस पहुंच गए हैं। दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय बातचीत शुरू हो गई है। इसमें अक का मुद्दा सबसे अहम है। जिनपिंग ने अकको लेकर कहा कि इसका नियंत्रण हमेशा इंसानों के हाथ में रहना चाहिए। इससे पहले जिनपिंग ने अमेरिका और चीन के बीच टकराव से बचने की अपील की। वहीं, ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका और चीन दोस्त हैं। उनके हित एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

अमेरिका के किसी भी बड़े टीवी चैनल ने इस मुलाकात का लाइव प्रसारण नहीं किया। दरअसल, व्हाइट हाउस ने CNN, MS NOW और पॉलिटिको के पत्रकारों को कवरेज से रोक रखा है। इसके विरोध में दूसरे चैनल भी इस मुलाकात को कवर नहीं कर रहे हैं। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग गुरुवार सुबह अमेरिका पहुंचे। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प प्रोटोकॉल तोड़कर खुद जॉइंट बेस एंड्रयूज

एयरपोर्ट गए और उनका स्वागत किया। ट्रम्प के साथ फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रम्प भी मौजूद थीं। जिनपिंग के साथ उनकी पत्नी पेंग लियुआन भी अमेरिका पहुंची हैं। जिनपिंग के साथ चीन की 24 बड़े नेता भी अमेरिका आए हैं। इनमें काई छी, हे लाइफेंग और वांग यी शामिल हैं। काई छी जिनपिंग के करीबी नेताओं में से एक हैं और उनके सबसे भरोसेमंद अधिकारियों में गिने जाते हैं।

जिनपिंग-ट्रम्प मुलाकात के बड़े मायने

1. जिनपिंग 11 साल बाद व्हाइट हाउस लौटेः तब और अब में क्या बदला ?

जिनपिंग आखिरी बार 2015 में बराक ओबामा के समय व्हाइट हाउस गए थे। तब दोनों देशों के बीच व्यापार, जलवायु और साइबर सुरक्षा जैसे मुद्दों पर सहयोग की बात होती थी। आज रिश्ते काफी बदल चुके हैं। अब दोनों देशों के बीच AI, चिप, दुर्लभ खनिज, सैन्य ताकत और ताइवान को लेकर बढ़े तनाव पर चर्चा हो रही।

2. रेड कार्पेट पर दोस्ती, अंदरखाने बड़े सौदे

ट्रम्प ने जिनपिंग के साथ अपने रिश्ते को शानदार दोस्ती बताया है, लेकिन दोनों देशों के बीच कई बड़े विवाद अभी भी मौजूद हैं। सबसे बड़ा मुद्दा टैरिफ और व्यापार है। इसके अलावा दुर्लभ खनिज, अमेरिकी चिप और चीन की तकनीक, कृषि सामान और बाजार तक पहुंच भी बातचीत का हिस्सा हैं। टैरिफ बढ़ाने पर लगी रोक 10 जनवरी 2027 तक बढ़ी है, इसलिए फिलहाल ट्रेड वॉर का खतरा टला है। लेकिन स्थायी व्यापार समझौता अभी बाकी है।

3. अकपर अमेरिका-चीन साथ आए तो दुनिया में क्या असर होगा ?

अमेरिका और चीन अककी होड़ में आगे निकलने की कोशिश कर रहे हैं। अमेरिका चीन को एडवांस अकचिप और तकनीक देने पर रोक लगाता रहा है, जबकि चीन इन पाबंदियों का विरोध करता है। जिनपिंग का कहना है कि अक का कंट्रोल इंसानों के हाथ में रहना चाहिए। अगर दोनों देश AI सुरक्षा पर साथ आते हैं, तो इसका असर पूरी दुनिया में AI के नियमों पर पड़ सकता है।

4. ताइवान और ईरानः 2 मुद्दों पर मतभेद

ताइवानः चीन इसे अपना हिस्सा मानता है, जबकि अमेरिका ताइवान को सैन्य मदद देता है। यह दोनों देशों के बीच सबसे बड़ा तनाव है। ईरानः अमेरिका चाहता है कि चीन ईरान पर अपना प्रभाव डाले, जबकि चीन ईरान से तेल खरीदता है और अमेरिकी दबाव का विरोध करता रहा है।

गणेश उत्सव समापन की पूर्व संध्या पर उमड़ा जनसैलाब

अनंत चौदस पर गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन जुलूस आज

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

गणपति बप्पा मोरिया, अगले बरस तू जल्दी आ के जयकारे आज शहर में चारों ओर सुनाई देंगे। अनंत चौदस पर आज गणपति प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा7 पर्व समापन की पूर्व संध्या पर शाम ढलते ही जनसैलाब सडको पर गणपति के दर्शन करने निकला7 जगह-जगह हवन पूजन भंडारे के आयोजन किए गए7 सुबह से शुरु हुए भंडारे देर रात तक चलते रहे7 गणपति विसर्जन का मुख्य जुलूस परंपरा अनुसार आज शाम 6 बजे नगर निगम चौराहे से प्रारम्भ होकर परम्परागत मार्गो से होते हुये हनुमानताल पहुंचेगा। वहीं उपनगरीय क्षेत्र रांझी, गढ़ा सदर, और अधारताल से भी जूलस निकाले जायेंगे। इन चल समारोह के लिए शहर में व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की गई है। जुलूस मार्ग और विसर्जन स्थलों में कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों के साथ पुलिस अधिकारियों और जवानों की डयूटी लगाई गई हैं7 गणपति पंडालों में पर्व समापन की पूर्व संध्या से ही भारी भीड़ देखने को मिली। भगवान गणेश के दर्शन करने श्रद्धालु कल बड़ी संख्या में सड़कों पर उतरे। पिछले 12 दिनों से ही शहर में रखी सैकड़ों

प्रतिमाओं में पूजन अर्चन का दौर चलता रहा। कहीं भजन कीर्तन तो कही रात्रि जागरण का आयोजन पंडालों में किया गया। हर वर्ष गणेश विसर्जन के पूर्व पंचक लगने के कारण कई पंडालों में हवन पूजन दो दिन पहले ही हो जाता है और मूर्ति का पटा विसर्जन (प्रतिमा को खिसका कर) कर दिया जाता है। जुलूस विसर्जन अनंत चौदस के दिन होता है। बहुत सारी प्रतिमाएं रविवार और सोमवार को विसर्जित की जाएंगी। हमेशा की तरह इस बार भी शहर में कई आकर्षक प्रतिमाएं रखी गई है। वहीं झांकियों की भव्य साज सज्जा समितियों द्वारा की गई है।

गणेश उत्सव का मुख्य चल समारोह आज शुक्रवार को नगर निगम चौराहे से प्रारंभ होगा। इसके बाद ये चल समारोह मालवीय चौक, सुपर मार्केट, गंजीपुरा, लार्डगंज, बड़ा फुहारा, कमानिया, सराफा, कोतवाली, मिलौनीगंज और घोड़ा नक्कास से होते हुए हनुमानताल पहुंचेगा। वहीं उपनरीय क्षेत्रों में रांझी में बड़ा पत्थर से चल समारोह प्रारंभ होगा जो दर्शन तिराहा, व्हीकल मोड़ से होता हुआ गोकलपुर तालाब पहुंचेगा। वहीं अधारताल में चल समारोह कंचनपुर से अधारताल तालाब पहुंचेगा।

वाराणसी से वडनगर 'जल-जन और सेवा संकल्प यात्रा' के सेवा यात्रियों ने देखा जल मंदिर

जल एवं पर्यावरण के संरक्षण के साथ जन-कल्याण का संदेश दें रही यात्राः राकेश सिंह

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षो के निरंतर जनसेवा एवं राष्ट्र निर्माण के संकल्प को युवाओं तक पहुंचाने के उद्देश्य से युवा मोर्चा द्वारा 'वाराणसी से वडनगर तक आयोजित 'जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा' गुरुवार को जबलपुर से अगले पड़ाव की ओर रवाना हुई, इसके पूर्व यात्रा में शामिल सेवा यात्रियों ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी से संवाद कार्यक्रम को लाइव देखा। सेवा संकल्प यात्रा में शामिल सेवा यात्रियों के साथ प्रधानमंत्री ज़ी के संवाद कार्यक्रम को लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर, विधायक श्री अशोक रोहाणी, महापौर श्री जगत बहादुर सिंह अन्नू, जेडीए अध्यक्ष श्री संदीप जैन, नगर निगम अध्यक्ष श्री रिंकू विज, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी श्रीकान्त साहू, डॉ वाणी अहलुवालिया, युवा मोर्चा प्रदेश उपाध्यक्ष श्री योगेंद्र सिंह ठाकुर, महामंत्री श्री पंकज दुबे, रंजीत पटेल,

सोनू बचवानी के साथ युवा मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्त्ताओ ने देखा। 'जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा' के विभिन्न मार्गो पर सेवा यात्रियों द्वारा किए जा रहे सेवा कार्यो से सेवा, सहभागिता और जनसरोकार का संदेश गांव और शहर तक पहुंच रहा है। यात्रा अपने निर्धारित मार्गो से आगे बढ़ते हुए जनसेवा के संकल्प को मजबूत कर रही है। मध्यप्रदेश शासन के लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने जल, जन और सेवा संकल्प यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री ज़ी से लाइव संवाद कार्यक्रम में सेवा यात्रियों को संबोधित करते हुए कहा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के मार्गदर्शन में राज्य का हर क्षेत्र विकास के पथ पर अग्रसर है। यह यात्रा केवल योजनाओं का प्रचार नहीं, बल्कि जनता के प्रति हमारी अटूट सेवा और समर्पण का जीवंत प्रमाण है। डबल इंजन सरकार की प्राथमिकता समाज के अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति के जीवन स्तर को ऊंचा उठाना है। जल संरक्षण और जन-कल्याण आज हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। इस अवसर पर बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और पार्टी कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और यात्रा के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। जल मंदिर देख सेवा यात्री हुए अभिभूत :- जल जन और सेवा संकल्प यात्रा के सेवा यात्री रानी दुर्गावती कालीन गढ़ा स्थित राधाकृष्ण बाबाड़ी पहुंचे जो जिसे मंत्री श्री राकेश सिंह ज़ी के प्रयास से 'जल मंदिर के रूप में विकसित किया गया है।

जल मंदिर को देखकर सभी सेवा यात्री अभिभूत हुए। सेवा यात्रा के टीम लीडर गौरव रजावत एवं गौतम चौहान ने कहा प्रधानमंत्री ज़ी ने पर्यावरण और जल संरक्षण का जो संदेश दिया है उसे जबलपुर में श्री राकेश सिंह ज़ी के साथ भाजपा कार्यकर्ताओ एवं स्थानीय जनो ने चरितार्थ करके दिखाया है। इस अवसर पर मंत्री श्री सिंह ने कहा प्रधानमंत्री ज़ी की प्रेरणा से ही प्राचीन बाबड़ी को जल मंदिर नाम दीया गया है और विकास के साथ विरासत का जो संदेश प्रधानमंत्री ज़ी ने दीया है उसको आत्मशात करते हुए हम सभी कार्य कर रहें है।

केएफडब्ल्यू जर्मनी फंडेड परियोजना के अंतर्गत आईटी प्रबंधकों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं मशीन लर्निंग पर प्रशिक्षण

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

केएफडब्ल्यू (जर्मनी) द्वारा फंडेड एकंपनीइंग मेजर्स के अंतर्गत प्रशिक्षण एवं क्षमता निर्माण कार्यक्रम के तहत मध्य प्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड, जबलपुर के आइटी प्रबंधकों के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं मशीन लर्निंग विषय पर दिनांक 24.09.2026 को एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम होटल सत्यम अशोका, जबलपुर में संपन्न हुआ । कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (संचा.-संधा. / वाणिज्?य), संजय निगम तथा प्रमुख (कंप्?यूटर पद्धति एवं संचलन), अरविंद सक्सेना की गरिमामयी उपस्थिति रही । उन्होंने प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं मशीन लर्निंग जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों के विद्युत

वितरण क्षेत्र में संभावित उपयोग एवं उनके प्रभावी एकीकरण के महत्व पर प्रकाश डाला । कार्यक्रम का आयोजन मर्काडोस एनर्जी मार्केट्स इंडिया के पार्टनर मोहित भारद्वाज एवं निदेशक सिद्धार्थ घोष के मार्गदर्शन में किया गया । प्रशिक्षण कार्यक्रम में पूर्व क्षेत्र कंपनी के आईटी प्रबंधकों ने सहभागिता की । प्रशिक्षण के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं मशीन लर्निंग से संबंधित तकनीकी एवं परिचालन पहलुओं पर विषय विशेषज्ञ द्वारा विस्तार से जानकारी प्रदान की गई । विशेष रूप से विद्युत वितरण व्यवस्था में उपलब्ध डेटा के प्रभावी उपयोग, विश्लेषण, प्रक्रिया सुधार तथा निर्णय लेने की क्षमता को बेहतर बनाने में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एवं मशीन लर्निंग की संभावनाओं पर चर्चा की गई ।

पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती कल

जबलपुर। भारतीय जनसंघ के अध्यक्ष संस्थापक सदस्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर द्वारा कल सभी 1041 बूथों पर उनकी जयंती मनाई जाएगी। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर ने बताया कि भारतीय जनसंघ के संस्थापक सदस्य पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी की जयंती पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे उनकी जयंती पर कल 25 सितम्बर शुक्रवार को सुबह 10:30 बजे दीनदयाल चौक स्थित प्रतिमा पर माल्यार्पण किया जाएगा। साथ ही जिले के सभी 1041 बूथों पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की जाएगी । जिला अध्यक्ष श्री रत्नेश सोनकर ने सभी जनप्रतिनिधियों पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण से उपस्थिति की अपील की है।

सेवा और समर्पण से ही होता अच्छे व्यक्तित्व का निर्माण : डॉ त्रिपाठी

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

श्रीजानकीरमण महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना का 57 वां स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम महाविद्यालय के सभागार में संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में शरदचंदपालन, अध्यक्ष शासीनिकाय,सारस्वत अतिथि के रूप में डा.शक्ति सिंह मंडलोई , डा.आनंद सिंह राणा,सुरेश मिश्रा विचित्र , आचार्य उमाशंकर दुबे तथा मुख्य वक्ता के रूप में रविन्द्र राघव थे तथा संपूर्ण कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीजानकीरमण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ अभिजातकृष्ण त्रिपाठी ने की। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों के कर कमलों से स्वामी विवेकानंद जी के छाया चित्र पर मल्यार्पण कर दीप प्रज्वलित किया गया, तदुपरांत कार्यक्रम अधिकारी डॉ. गंगाधर त्रिपाठी के द्वारा स्वागत उद्बोधन प्रस्तुत किया गया। इसके तदोपरांत रा. से. यो.के स्वयं सेवियों द्वारा सामूहिक गायन की एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियां दी गई । कार्यक्रम में अतिथियों का उद्बोधन संपन्न हुआ मुख्य अतिथि शरदचंद पालन ने अपने उद्बोधन में राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य को प्रस्तुत करते हुए महाविद्यालय से जुड़ी विभिन्न घटनाओं पर प्रकाश डाला। अध्यक्षीय उद्बोधन देते हुए श्रीजानकीरमण महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अभिजातकृष्ण त्रिपाठी ने कहा कि एक अच्छे व्यक्तित्व का निर्माण सेवा और समर्पण से ही संभव है व्यक्ति अपने जीवन में छोटी - छोटी गलतियों से सीख लेकर बड़े - बड़े कार्य संपन्न करता हैं । मुख्य वक्तव्य प्रस्तुत करते हुए वरिष्ठ साहित्यकार रविन्द्र राघव ने राष्ट्रीय सेवा योजना के महत्व को बताते हुए छात्रों को इससे होने वाले लाभ से अवगत कराया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार के सदस्य मुकेश श्रीवास्तव,ओमप्रकाश गुप्ता,अजय यादव, राखी बाजपेई, भूपेंद्र अहिरवार सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्रों की उपस्थिति रही।

सभी नवनियुक्त एल्डरमैन को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई

निगम को मिले 7 नए एल्डरमैन, एडीएम नीलांबर मिश्रा ने दिलाई पद एवं गोपनीयता की शपथ

■ एक सत बुलेटिन, कटनी।

नगरपालिक निगम कटनी में शासन द्वारा मनोनीत किए गए सात एल्डरमैन (मनोनीत पार्षदों) का शपथ ग्रहण समारोह गुरुवार, 24 सितंबर को कलेक्ट्रेट सभागार में गरिमामय माहौल में संपन्न हुआ। एडीएम नीलांबर मिश्रा ने सभी नवनियुक्त एल्डरमैन को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। मध्यप्रदेश नगरपालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 17 (ख) (1) के तहत आयोजित समारोह में शासन द्वारा नामांकित सदस्यों ने औपचारिक रूप से अपना पदभार ग्रहण किया। नगरीय विकास एवं आवास विभाग, भोपाल द्वारा जारी राजपत्र अधिसूचना के तहत मनोनीत सात एल्डरमैन अभिषेक शर्मा, अम्बरीष वर्मा, अनुराग त्रिसोलिया, नरेश अग्रवाल, प्रमोद तिवारी, शोभा कुरील तथा वेंकटेश

मिश्रा ने शपथ ली। समारोह में मुड़वारा विधायक संदीप जायसवाल, धीरेन्द्र सिंह, महापौर प्रीति सूरी, भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक टंडन सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे। शपथ ग्रहण के बाद उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने सभी नवनियुक्त एल्डरमैन को शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर उम्मीद जताई गई कि नए मनोनीत पार्षद नगर निगम की व्यवस्थाओं और शहर के विकास कार्यो में सक्रिय भूमिका निभाते हुए जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से सामने रखेंगे।

सेवा पुस्तिकाओं का अनुमोदन समय सीमा में करने की मांग

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मध्य प्रदेश जागरूक अधिकारी कर्मचारी संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने आरोप लगाया कि संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा कार्यालय में कर्मचारियों की ऑनलाइन सेवा पुस्तिकाओं का अनुमोदन निर्धारित समय सीमा में नहीं किया जा रहा है। एक-एक सेवा पुस्तिका के अनुमोदन में महीनों लग रहे हैं और अनावश्यक आपत्तियां लगाकर प्रकरण वापस किए जा रहे हैं। संगठन का कहना है कि इस प्रक्रिया में देरी के कारण कर्मचारियों को आर्थिक एवं मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तथा उन्हें समय पर देय स्वत्वों का लाभ नहीं मिल पा रहा है। इससे कर्मचारियों में रोष है।संगठन ने कलेक्टर से मामले का संज्ञान लेकर सेवा पुस्तिकाओं के अनुमोदन के लिए निश्चित समय सीमा निर्धारित करने तथा प्रक्रिया में तेजी लाने की मांग की है।मांग करने वालों में हेमंत ठाकरे, राजेश सहारिया, राकेश श्रीवास विनोद सिंह, राजकुमार यादव, सुधीर अवधिया, धनराज पिल्ले सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य शामिल हैं।

युवाओं को एमपीपीजीसीएल देगी ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग

मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना से मध्यप्रदेश के युवाओं को एक वर्ष का प्रशिक्षण

■ एक सत बुलेटिन, जबलपुर

मध्यप्रदेश के युवाओं को विद्युत उत्पादन के क्षेत्र में व्यावहारिक प्रशिक्षण और अपने कौशल को निखारने का अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड द्वारा मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के अंतर्गत 559 ऑन-द-जॉब ट्रेनिंग पद उपलब्ध कराए गए हैं। डिग्री, डिप्लोमा अथवा अन्य निर्धारित शैक्षणिक योग्यता प्राप्त करने के बाद रोजगार के अवसर तलाश रहे युवा इस योजना के माध्यम से कंपनी के विभिन्न कार्यालयों एवं विद्युत गृहों में एक वर्ष का व्यावहारिक प्रशिक्षण प्राप्त कर सकेंगे। पात्र प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण अवधि के दौरान 8 हजार से 10 हजार प्रतिमाह तक स्टाइपेंड भी देय होगा। मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के अंतर्गत मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी द्वारा प्रशिक्षण के लिए कुल 559 पद स्वीकृत किए गए हैं। इसके तहत युवाओं को जबलपुर स्थित कंपनी मुख्यालय के साथ-साथ प्रदेश में स्थित विभिन्न जल एवं ताप विद्युत गृहों में कार्य करते हुए व्यावहारिक अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। योजना के अंतर्गत इलेक्ट्रीशियन, इन्फॉर्मेशन एंड

कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी एवं सिस्टम मेंटेनेंस, कंप्यूटर ऑपरेटर एवं प्रोग्रामिंग असिस्टेंट, स्टेनो (हिन्दी/अंग्रेजी), सिविल इंजीनियरिंग, मानव संसाधन, अकाउंट्स सहित विभिन्न कार्यश्रेणियों में प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराए गए हैं। इससे युवाओं को अपनी शैक्षणिक योग्यता के अनुरूप विद्युत उत्पादन एवं कंपनी के विभिन्न कार्यक्षेत्रों की कार्यप्रणाली को नजदीक से समझने का अवसर मिलेगा। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया पूर्ण होने के बाद निर्धारित पात्रता के अनुसार अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। चयनित प्रशिक्षणार्थियों को उनके द्वारा चयनित कार्यश्रेणी व जिले के अनुरूप कंपनी के विभिन्न विद्युत गृहों एवं कार्यालयों में प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ होने के एक माह बाद प्रशिक्षणार्थियों को पात्रता के अनुसार 8 हजार से 10 हजार प्रतिमाह स्टाइपेंड का भुगतान प्रारंभ होगा। प्रशिक्षण की कुल अवधि एक वर्ष निर्धारित है। किसे मिलेगा लाभः इंजीनियरिंग डिप्लोमा, आईटीआई और अन्य तकनीकी ट्रेडों की पढ़ाई पूरी कर चुके स्थानीय युवा इस ट्रेनिंग का लाभ उठा सकेंगे। व्यावहारिक प्रशिक्षणः युवाओं को पावर प्लांट के संचालन, रख-रखाव, और आधुनिक तकनीकी प्रणालियों का सीधा अनुभव मिलेगा। कौशल विकासः इस ट्रेनिंग से युवाओं की कार्यकुशलता में सुधार होगा, जिससे उन्हें भविष्य में ऊर्जा और औद्योगिक सेक्टर में नौकरी पाने के बेहतर अवसर मिलेंगे।

विज्ञान मेले में आईईएस पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों का नवाचार सम्मानित

पर्यावरण संस्कृति ट्रस्ट ने रिधम, सार्थक, नटिक और देविक को किया सम्मानित

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

विज्ञान भारती मध्य भारत प्रांत, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद तथा बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित विज्ञान मेले में आईईएस पब्लिक स्कूल, सीहोर के विद्यार्थियों ने अपने नवाचार से जल, ऊर्जा और आपदा प्रबंधन से जुड़ी महत्वपूर्ण जरूरतों को एक साथ जोड़ने का प्रयास किया। विद्यार्थियों के इस नवाचार से प्रभावित होकर पर्यावरण संस्कृति ट्रस्ट की ओर से रिधम बंसल, सार्थक परमार, नटिक पटेल और देविक दसवानी को सम्मानित किया गया। विज्ञान मेले का शुभारंभ मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महानिदेशक डॉ. अनिल कोठारी एवं विज्ञान भारती के राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री प्रवीण

रामदास की मौजूदगी में हुआ। मेले में विद्यार्थियों ने विज्ञान एवं तकनीक के माध्यम से विभिन्न सामाजिक और पर्यावरणीय चुनौतियों के समाधान प्रस्तुत किए। आईईएस पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों ने एकीकृत जल समाधान तंत्र का मॉडल प्रस्तुत किया। इसमें जलविद्युत बांध के माध्यम से स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, बड़े जलाशय से कृषि एवं सिंचाई के

लिए जल उपलब्ध कराने तथा व्यवस्थित नहर नेटवर्क की परिकल्पना की गई है। साथ ही सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के लिए जल शोधन संयंत्र को भी इस व्यवस्था से जोड़ा गया है। मॉडल की प्रमुख विशेषता वास्तविक समय बाढ़ चेतावनी एवं आपदा प्रबंधन प्रणाली है। इसमें जलस्तर सेंसर के माध्यम से पानी के स्तर की निगरानी कर संभावित बाढ़ की पूर्व चेतावनी देने की व्यवस्था दर्शाई गई है। इसका उद्देश्य समय रहते लोगों को सतर्क करने और आपदा के प्रभाव को कम करने की दिशा में तकनीकी समाधान प्रस्तुत करना है। इस नवाचार को रिधम बंसल, सार्थक परमार, नटिक पटेल और देविक दसवानी ने तैयार किया। विद्यार्थियों को विजय सर एवं ज्योति शर्मा ने मार्गदर्शन दिया। विद्यार्थियों का यह प्रयास विज्ञान को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित न रखकर जल संरक्षण, स्वच्छ ऊर्जा, कृषि, पेयजल और आपदा प्रबंधन जैसी वास्तविक सामाजिक चुनौतियों से जोड़ने की सोच को सामने लाता है। पर्यावरण संस्कृति ट्रस्ट द्वारा विद्यार्थियों का सम्मान उनके नवाचार के प्रति प्रोत्साहन और युवा प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की दिशा में एक सकारात्मक पहल है।

बालाघाट में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण और रोग नियंत्रण की व्यापक कार्यवाही

समन्वित प्रयासों से स्थिति नियंत्रित, एएनसी कवरेज करें शत-प्रतिशत: उप मुख्यमंत्री शुक्ल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने आज मंत्रालय में वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बालाघाट जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण, खसरा-रूबेला, डायरिया एवं मलेरिया नियंत्रण तथा दूरस्थ एवं जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच बढ़ाने के लिए की जा रही कार्यवाही की विस्तृत समीक्षा की। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि बालाघाट में महिला एवं बाल विकास, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, शिक्षा तथा स्वास्थ्य विभाग द्वारा आपसी समन्वय के साथ स्थिति को नियंत्रित करने के लिए गंभीरता से कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मैदानी स्तर पर निरंतर निगरानी, समय पर उपचार, टीकाकरण, पोषण, स्वच्छता और दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के प्रयास लगातार जारी रहें। बालाघाट को आदर्श जिले के रूप में विकसित किया जाए उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि गंभीरता, समर्पण और बेहतर समन्वय के साथ सेवा प्रदाय किया जाए तो बालाघाट की सभी पंचायतों को सुमन पंचायत बनाया जा सकता है। उन्होंने अधिकारियों

को निर्देशित किया कि वर्तमान प्रयासों को निरंतर बनाए रखते हुए बालाघाट को स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में पूरे प्रदेश के लिए एक आदर्श जिले के रूप में विकसित किया जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि बालाघाट जैसे जनजातीय एवं भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण जिले में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए विभागों के बीच निरंतर समन्वय आवश्यक है। स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, शिक्षा तथा लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग मिलकर काम करें और मैदानी स्तर पर प्रत्येक गतिविधि की नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करें। बैठक में एमडी एनएचएम डॉ. सलोनी सिडाना सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बालाघाट कलेक्टर श्री कुमार सत्यम तथा जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारी भी बैठक में शामिल हुए। उल्लेखनीय है कि सुमन पंचायत के रूप में पंचायतों को विकसित करने के लिए एक वर्ष की अवधि में शून्य मातृ एवं शिशु मृत्यु सुनिश्चित करना प्रमुख मानकों में शामिल है। गर्भवती महिलाओं का शत-प्रतिशत पंजीयन एवं एएनसी जांच, हाई रिस्क प्रेग्नेंसी का चिन्हांकन एवं फॉलोअप, संस्थागत प्रसव, प्रसवोत्तर एवं नवजात देखभाल और समय पर रेफरल जैसी सेवाओं की प्रभावी उपलब्धता सुनिश्चित किया जाना इसका लक्ष्य है। इन मानकों की सतत पूर्ति और मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी के आधार पर पंचायतों को सुमन पंचायत के रूप में विकसित होने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने कहा कि एएनसी चेकअप का कवरेज 90 प्रतिशत तक पहुंचना महत्वपूर्ण प्रगति है। इसे शत-प्रतिशत तक ले जाने के लिए विशेष अभियान चलाया जाए। हाई रिस्क प्रेग्नेंसी वाली महिलाओं का समय पर चिन्हांकन, नियमित फॉलोअप तथा आवश्यकता के अनुसार उपयुक्त स्वास्थ्य संस्थान में समय से भर्ती सुनिश्चित की जाए। उन्होंने बर्थ वेटिंग होम की उपलब्ध सुविधाओं का अधिकतम उपयोग करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आवश्यक संसाधनों की कमी नहीं है। अधिकारी एवं मैदानी अमला पूरी गंभीरता और समर्पण के साथ कार्य करें।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने ईवीएम गोडाउन का किया निरीक्षण

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री प्रियंक मिश्रा ने भोपाल स्थित ईवीएम गोडाउन का निरीक्षण किया। उन्होंने गोडाउन की सुरक्षा व्यवस्था, तकनीकी प्रबंधन तथा भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुपालन की विस्तृत समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी सर्विलांस, सीलिंग प्रक्रिया तथा ईवीएम के सुरक्षित रखरखाव की व्यवस्था का सूक्ष्म परीक्षण किया गया। कलेक्टर श्री मिश्रा ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से संवाद करते हुए कहा कि ईवीएम की सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आयोग के सभी दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जा रहा है। उन्होंने आश्वस्त किया कि जिला प्रशासन स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

अब एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म से बिल भुगतान, बिल डाउनलोड, शिकायत सहित विभिन्न सेवाओं का लाभ

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा उच्चदाब उपभोक्ताओं को विभिन्न विद्युत सेवाएँ एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से HT Consumer Single Login / Service Portal विकसित किया गया है। इस सुविधा के माध्यम से उच्चदाब उपभोक्ता एक ही रूथ्द्दद्वठ्ठ द्रूष्ठ/पंजीकृत मोबाइल नंबर एवं पासवर्ड के जरिए पोर्टल पर उपलब्ध विभिन्न सेवाओं का उपयोग कर सकेंगे। पोर्टल पर उपभोक्ताओं को बिल भुगतान, भुगतान रसीद, पिछले 12 माह के बिल, भुगतान विवरण, हरित ऊर्जा प्रमाण-पत्र, फॉर्म-16/टीडीएस प्रमाण-पत्र एवं मीटर रीडिंग विवरण डाउनलोड करने की सुविधा उपलब्ध है। इसके साथ ही

पंजीकृत मोबाइल नंबर के अतिरिक्त नया नंबर जोड़ने एवं ई-मेल अपडेट करने, बिल एवं विद्युत आपूर्ति संबंधी शिकायत दर्ज करने तथा ॥ज्ञ संयोजन के अंतर्गत भार परिवर्तन एवं नाम परिवर्तन जैसी सेवाओं का ऑनलाइन लाभ भी लिया जा सकता है। Single Login के लिए उच्चदाब उपभोक्ता के माध्यम से पंजीकृत मोबाइल नंबर पर प्राप्त OTP का सत्यापन कर Consumer Login के जरिए पोर्टल पर पंजीयन एवं लॉगिन कर सकते हैं। पोर्टल पर पंजीयन, लॉगिन, डैशबोर्ड तथा विभिन्न सेवाओं के उपयोग की प्रक्रिया समझाने के लिए भी तैयार किया गया है, जिसमें चित्रों सहित विस्तृत जानकारी दी गई है। कंपनी ने उच्चदाब उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे स्द्बठ्ठद्द्यद्ग रूथ्द्दद्वठ्ठ सुविधा का उपयोग कर विभिन्न विद्युत सेवाओं का लाभ ऑनलाइन एवं सुविधाजनक तरीके से प्राप्त करें।

सीहोर वृत्त में 2.32 करोड़ की लागत से बने 33/11 केवी उपकेंद्र ढाबला का राजस्व मंत्री करण सिंह वर्मा ने किया लोकार्पण

■ एक सत बुलेटिन, **सीहोर**

सीहोर वृत्त में क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में गुरुवार को ग्राम ढाबला में 33/11 केवी नवीन विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा द्वारा किया गया। लगभग 2.32 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस उपकेंद्र के शुरू होने से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में सुधार होगा। बिलकिसगंज वितरण केंद्र के अंतर्गत निर्मित इस उपकेंद्र को ऊर्जीकृत किया गया। यहां से तीन 11 केवी फीडर, जिनमें एक घरेलू एवं दो कृषि पंप फीडर शामिल हैं, वह प्रारंभ किए गए हैं। नवीन उपकेंद्र से रामखेड़ी, ढाबला, हीरापुर, पीपलनेर, किशनपुरा, नापली, चैनपुरा एवं सिकंदरगंज सहित आसपास के गांवों

के उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा। उपकेंद्र के प्रारंभ होने से घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध होने के साथ क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था अधिक सुदृढ़ होगी। ढाबला उपकेंद्र को मिला ISO प्रमाण-पत्र समारोह में नवीन 33/11 केवी उपकेंद्र ढाबला को प्राप्त ISO प्रमाण-पत्र भी माननीय राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा द्वारा महाप्रबंधक श्रीमती पूनम तुमराम को मंच से प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि सीहोर जिले में किसी विद्युत उपकेंद्र को पहली बार ढ्ढस्ह्र प्रमाण-पत्र प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर विद्युत कंपनी के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। कंपनी द्वारा क्षेत्र में विद्युत अधोसंरचना को मजबूत करने तथा उपभोक्ताओं को बेहतर एवं विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी भी दी गई।

मातृ स्वास्थ्य सेवाओं में कमी पर बीएमओ बैरसिया को नोटिस

6 अक्टूबर को कृमि मुक्ति दिवस, बच्चों को दी जाएगी अल्बेंडाजोल

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी की अध्यक्षता में गुरुवार को डॉ. कैलाशनाथ काटजू सिविल अस्पताल में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं और महिला एवं बाल विकास विभाग की पोषण सेवाओं की समीक्षा की गई। समीक्षा के दौरान बैरसिया विकासखंड में मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति अपेक्षाकृत कम पाए जाने पर नाराजगी जताई गई। गर्भवती महिलाओं के शीघ्र पंजीयन, हाई रिस्क गर्भावस्था के चिह्नांकन और उनके समुचित प्रबंधन में कमी सामने आई। इस पर मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ), बैरसिया को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। बैठक में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस की तैयारियों की भी समीक्षा की गई। जिले में 6 अक्टूबर को अभियान चलाया जाएगा। इसके तहत 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों को अल्बेंडाजोल की गोली दी जाएगी। अभियान का उद्देश्य बच्चों को आंतों के कृमि संक्रमण से बचाव करना है। बैठक में ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस के दौरान बच्चों के टीकाकरण और स्वास्थ्य सेवाओं से जोड़ने पर जोर दिया गया। गोविंदपुरा सिविल अस्पताल के पोषण पुनर्वास केंद्र में जरूरतमंद

बच्चों के भर्तीकरण, पोषण ट्रैकर की निगरानी और मौसमी बीमारियों की स्थिति की भी समीक्षा की गई। बैठक में सीएमएचओ डॉ. मनीष शर्मा सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।राजधानी भोपाल के स्वास्थ्य महकमे में उस समय हड़कंप मच गया जब जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक में बड़ी प्रशासनिक लापरवाही सामने आई। गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य और पंजीयन में ढिलाई बरतने पर बैरसिया विकासखंड के मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी (बीएमओ) को कारण बताओ नोटिस जारी करने के कड़े निर्देश दिए गए हैं।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के कुशल निर्देशन और जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी की अध्यक्षता में डॉ. कैलाशनाथ काटजू सिविल अस्पताल में यह उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई, जिसमें स्वास्थ्य योजनाओं की पोल खुलकर सामने आई। बैरसिया बीएमओ पर गिरी गाज: मातृ स्वास्थ्य सेवाओं, गर्भवती महिलाओं के शीघ्र पंजीयन और 'हाई रिस्क' गर्भावस्था के प्रबंधन में भारी कमी पाए जाने पर नाराजगी जताई गई। 6 अक्टूबर को महा-अभियान: जिलेभर में राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस मनाया जाएगा, जिसके तहत 1 से 19 वर्ष तक के बच्चों को पेट के कीड़ों (कृमि) से बचाने के लिए अल्बेंडाजोल की गोलियां खिलाई जाएंगी। पोषण और टीकाकरण पर जोर: ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण दिवस पर बच्चों के टीकाकरण को शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। पोषण पुनर्वास केंद्र की समीक्षा: गोविंदपुरा सिविल अस्पताल के एनआरसी में जरूरतमंद बच्चों के समय पर भर्तीकरण और पोषण ट्रैकर की कड़ी निगरानी पर जोर दिया गया।जिला स्वास्थ्य समिति की समीक्षा बैठक के दौरान जब बैरसिया विकासखंड की रिपोर्ट पटल पर आई, तो अधिकारियों के माथे पर बल पड़ गए।

संपादकीय

ज्ञानेश का चुनाव आयोग!

भारत के चुनाव आयोग के भीतर की असहमतियां सामान्य नहीं हैं। वे राजनीतिक भी नहीं हैं। राहुल गांधी और अखिलेश यादव सरीखे विपक्षी नेताओं के आरोप भी नहीं हैं। याद रखना चाहिए कि चुनाव आयोग कोई एक व्यक्ति नहीं, बहुसदस्यीय संवैधानिक संस्था है। यह व्यवस्था और दर्जा संसद में पारित किया गया है। 1995 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव की सरकार ने चुनाव आयोग को तीन सदस्यीय कर उसे अधिनायकवाद से बचाया था। तब की कांग्रेस सरकार तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) टीएन शेषन से बहुत दुखी और परेशान थी, नतीजतन आयोग में तीन आयुक्तों की व्यवस्था की गई। सीईसी और दो अन्य आयुक्तों की संवैधानिक शक्तियां एक समान तय की गईं। अलबत्ता सीईसी बैठकों की अध्यक्षता जरूर कर सकते हैं, यह भी तय किया गया। कोई भी फैसला, आदेश, निर्देश चुनाव आयोग का तब मान्य और स्वीकार्य होगा, जब आयुक्त सर्वसम्मति या बहुमत से निर्णय लेंगे। इंडियन एक्सप्रेस की खोजी खबर और विश्लेषण के बाद चुनाव आयोग का भीतरी यथार्थ और विरोधाभास सार्वजनिक हुए हैं कि 10 महीने में 14 आपत्तियां दो चुनाव आयुक्तों-सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी-ने जताई हैं। उनमें से कुछ सीईसी को भी भेजी गई हैं। ये सामान्य आपत्तियां नहीं हैं। संवैधानिक शख्स की आवाज हैं। वैचारिक मतभेद और बहुसदस्यीय आयोग होने के कारण अथवा किसी भी विविध मंच पर ऐसी असहमतियां जताना बुनियादी तौर पर लोकतांत्रिक है। सवाल है कि चुनाव आयोग का भीतरी मामला कैबिनेट सचिव तक पहुंचने की नौबत क्यों आई? दोनों असहमत आयुक्तों ने कैबिनेट सचिव को चिियां लिख कर शिकायत क्यों दर्ज कराई? चुनाव आयोग भारत सरकार के तहत काम नहीं करता, बल्कि राष्ट्रपति के प्रति जवाबदेह है। राष्ट्रपति ही सीईसी सहित तीनों चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करते हैं, बेशक भारत सरकार की सलाह पर ही नियुक्तियां की जाती हैं। असहमत आयुक्तों को सीधा राष्ट्रपति को पत्र लिख कर शिकायत करनी चाहिए थी। क्या ऐसे संदर्भ के बावजूद आयोग दावा कर सकता है कि सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए जाते हैं? दूसरा मामला फॉर्म 6 का चुनाव आयुक्तों ने उठाया है।

यह संविधान और सरकारी कार्यप्रणाली का घोर उल्लंघन भी है, यदि फॉर्म में बदलाव किए गए हैं! दोनों असहमत चुनाव आयुक्तों ने फॉर्म 6 में कथित बदलाव को अवैध और अनधिकृत करार दिया है। आयोग को ऐसे संशोधन या परिवर्तन करने का कोई संवैधानिक अधिकार नहीं है। बदलाव का विशेषाधिकार सरकार और संसद को है। कानून मंत्रालय का विधायी विभाग अपेक्षित बदलाव के बाद गजट में अधिसूचना जारी करता है। उसके बाद ही चुनाव आयोग किसी बदलाव को लागू और प्रभावी कर सकता है। इसके अलावा, दोनों असहमत चुनाव आयुक्तों ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), काटे गए करीब 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम, मतदाता सूचियों के केंद्रीकरण, आईटी विभाग की डीजी सीमा खन्ना, मतदाता पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) की संबद्ध विभाग तक पहुंच न होने, संपूर्ण आयोग के फैसले या निर्देश के बिना ही आधिकारिक बयान जारी करने और अधिकारियों की विदेश यात्रा, बैठकों के एजेंडे और मिनट्स उपलब्ध न कराए जाने पर भी आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं। इसके साफ मायने हैं कि आयोग में सीईसी का अधिनायकवाद और एकाधिकार जारी रहा है। फैसले सीईसी ज्ञानेश कुमार गुप्ता के स्तर पर ही लिए जाते रहे हैं। मतदाता सूचियों के केंद्रीकरण का मतलब यह है कि आयोग के स्तर पर किसी भी मतदाता का नाम जोड़ा या काटा जा सकता है। बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र, हरियाणा में हम ऐसा महसूस कर चुके हैं। बंगाल में ट्रिब्यूनल काम कर रहे हैं और अभी तक 91 फीसदी से अधिक मतदाताओं को बहाल किया जा चुका है। उनके नाम सूची में शामिल करने के विरोध की भी अपील की गई है। उसमें भी चुनाव आयोग की भूमिका सामने आई है, क्योंकि असहमत आयुक्तों ने सवाल उठाए हैं। बहरहाल आश्चर्य यह है कि अखबार की सांगोपांग खबर को न तो तीनों आयुक्तों में से किसी ने भी खारिज किया है और न ही तीनों ने एक साथ सार्वजनिक मंच पर आकर स्पष्टीकरण दिया है। आयोग के उपनिदेशक की सफाई सरकारी किस्म की, बेमानी है।

नई दिल्ली से बदली ब्रिक्स की वैश्विक दिशा

अनुज आचार्य

> ब्रिक्स की वास्तविक सफलता घोषणाओं की लंबाई से नहीं, बल्कि इस बात से मापी जाएगी कि कितने निर्णय व्यापार, निवेश, तकनीक, रोजगार, ऊर्जा, स्वास्थ्य और विकास की ठोस परियोजनाओं में बदलते हैं

नई दिल्ली में 12 और 13 सितंबर 2026 को आयोजित 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने बदलती विश्व व्यवस्था की एक महत्वपूर्ण तस्वीर को सामने रखा है। कभी ब्राजील, रूस, भारत और चीन की उभरती अर्थव्यवस्थाओं के लिए प्रयुक्त ह्यब्रिकह्न शब्द से शुरू हुआ यह समूह दक्षिण अफ्रीका के जुड? के बाद ब्रिक्स बना और अब 11 पूर्ण सदस्य देशों- ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्त्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, इंडोनेशिया और सऊदी अरब तक विस्तार पा चुका है। आधिकारिक विवरण के अनुसार ये देश मिलकर विश्व की लगभग 49.5 प्रतिशत आबादी, करीब 40 प्रतिशत वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद और लगभग 26 प्रतिशत वैश्विक व्यापार का प्रतिनिधित्व करते हैं। इस विस्तार ने ब्रिक्स को केवल उभरती अर्थव्यवस्थाओं के मंच से आगे बढ़ाकर वैश्विक आर्थिक और कूटनीतिक विमर्श का महत्वपूर्ण मंच बना दिया है। भारत की 2026 की अध्यक्षता ऐसे समय में हुई जब विश्व अर्थव्यवस्था व्यापारिक तनाव, युद्धों, ऊर्जा असुरक्षा, आपूर्ति शृंखला में व्यवधान, जलवायु संकट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता जैसी नई तकनीकों से पैदा हो रही चुनौतियों के बीच परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। भारत ने अपनी अध्यक्षता की थीम ह्यलचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के लिए निर्माणह्न के माध्यम से ब्रिक्स को किसी एक देश अथवा गुट के विरोध के मंच के बजाय साझा हितों पर सहयोग का बहुपक्षीय मंच बनाने पर जोर दिया।

12 सितंबर को स्वीकार किया गया 140 अनुच्छेदों वाला ह्यनई दिल्ली घोषणापत्रह्न इसी दृष्टिकोण का दस्तावेज है। इसमें वैश्विक शासन, व्यापार, आतंकवाद, संघर्ष, जलवायु परिवर्तन, ऊर्जा, स्वास्थ्य, डिजिटल प्रौद्योगिकी, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और परमाणु सुरक्षा जैसे अनेक विषयों पर सदस्य देशों की साझा चिंताओं और प्रतिबद्धताओं को दर्ज किया गया है। नई दिल्ली घोषणापत्र का एक महत्वपूर्ण पक्ष वैश्विक संस्थाओं में सुधार की मांग है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक जैसी संस्थाओं में विकासशील देशों की वर्तमान आर्थिक और जनसांख्यिकीय स्थिति के अनुरूप अधिक प्रतिनिधित्व की मांग उठाई गई है। आतंकवाद के मुद्दे पर भी घोषणापत्र ने स्पष्ट रुख अपनाया। इसमें अप्रैल 2025 के पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए आतंकवाद के प्रति शून्य सहनशीलता, आतंकवादी सुरक्षित ठिकानों के विरुद्ध कार्रवाई और आतंकवादियों तथा उनके समर्थकों की जवाबदेही पर जोर दिया गया। घोषणापत्र ने एकतरफा शुल्क और व्यापारिक प्रतिबंधों के प्रति चिंता व्यक्त की तथा अधिक खुली, निष्पक्ष और पूवार्नुमेय व्यापार व्यवस्था की आवश्यकता पर बल दिया। हालांकि ब्रिक्स की कोई साझा मुद्रा बनाने का निर्णय नहीं हुआ है। इसके बजाय स्थानीय मुद्राओं में व्यापार, सीमा पार भुगतान प्रणालियों और वित्तीय सहयोग को बढ़ाने पर ध्यान दिया गया है। इसका उद्देश्य तत्काल किसी नई वैश्विक मुद्रा व्यवस्था का निर्माण करना नहीं, बल्कि सदस्य देशों के बीच व्यापारिक लेन-देन को अधिक सुविधाजनक और लचीला बनाना है। न्यू डेवलपमेंट बैंक के माध्यम से स्थानीय मुद्रा में वित्तपोषण और बुनियादी ढांचा निवेश बढ़ाने की संभावना भी इस आर्थिक सहयोग को व्यावहारिक आधार दे सकती है। भारत के लिए ब्रिक्स का आर्थिक महत्व इसलिए भी बढ़ता है क्योंकि 11 सदस्य देशों का बाजार भारतीय दवा, कृषि, इंजीनियरिंग, ऑटोमोबाइल, सूचना प्रौद्योगिकी और सेवा क्षेत्र के लिए नए अवसर पैदा कर सकता है।

किंतु केवल विशाल बाजार व्यापारिक लाभ की गारंटी नहीं देता। इसके लिए प्रतिस्पर्धी उत्पादन, बेहतर गुणवत्ता, विश्वसनीय लॉजिस्टिक्स, सुगम वित्तीय व्यवस्था और स्थिर व्यापारिक संबंध आवश्यक होंगे। ब्रिक्स के भीतर आपूर्ति शृंखलाओं, महत्वपूर्ण खनिजों और परिवहन नेटवर्क पर सहयोग इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में भी नई दिल्ली सम्मेलन ने भविष्य की अर्थव्यवस्था की आवश्यकताओं को ध्यान में रखा है। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, फिनटेक, सीमा पार डिजिटल भुगतान और उभरती प्रौद्योगिकियों के नियमन में विकासशील देशों की भागीदारी पर बल दिया गया। भारत के डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के अनुभव के कारण उसके पास इस क्षेत्र में सहयोग का एक महत्वपूर्ण आधार है। अंतरिक्ष सहयोग में ब्रिक्स रिमोट सेंसिंग सैटेलाइट कॉन्स्टेलेशन तथा प्रस्तावित स्पेस काउंसिल जैसी पहलों से पृथ्वी अवलोकन, आपदा प्रबंधन और जलवायु निगरानी में सहयोग की संभावनाएं बढ़ सकती हैं। कृषि, स्वास्थ्य, ऊर्जा और पर्यावरण जैसे क्षेत्र भी ब्रिक्स के एजेंडे को आम नागरिक से जोड़ते हैं। जलवायु-सक्षम कृषि, डिजिटल कृषि, खाद्य सुरक्षा, मानसिक स्वास्थ्य, कौशल विकास, महिलाओं की आर्थिक भागीदारी, स्वच्छ ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षित आपूर्ति जैसे विषयों पर सहयोग विकासशील देशों के लिए व्यावहारिक महत्व रखता है। ब्रिक्स के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। सदस्य देशों की राजनीतिक व्यवस्थाएं, आर्थिक प्राथमिकताएं और विदेश नीति के दृष्टिकोण अलग-अलग हैं। भारत और चीन के बीच सीमा तथा व्यापार संबंधी मतभेद, रूस और पश्चिम के बीच तनाव तथा पश्चिम एशिया की जटिल परिस्थितियां साझा निर्णयों को प्रभावित कर सकती हैं।

सदस्यता बढ? के साथ समूह का भौगोलिक और आर्थिक प्रभाव तो बढ़ा है, लेकिन सर्वसम्मति बनाना भी अधिक चुनौतीपूर्ण हुआ है। इसलिए ब्रिक्स की वास्तविक सफलता घोषणाओं की लंबाई से नहीं, बल्कि इस बात से मापी जाएगी कि कितने निर्णय व्यापार, निवेश, तकनीक, रोजगार, ऊर्जा, स्वास्थ्य और विकास की ठोस परियोजनाओं में बदलते हैं। भारत ने अपनी अध्यक्षता के माध्यम से ब्रिक्स को संवाद, सहयोग और वैश्विक दक्षिण की अधिक भागीदारी के मंच के रूप में आगे बढ़ाने का प्रयास किया है। नई दिल्ली घोषणापत्र ने दिशा अवश्य दिखाई है, लेकिन अब उस दिशा को परिणाम में बदलने की जिम्मेदारी सदस्य देशों पर है। ब्रिक्स अब नई राह पर है।

पितृपक्ष : श्रद्धा, तर्पण और पितृऋण से जुड़ी सनातन परंपरा

अलग-अलग तिथियों पर निर्धारित हैं पिंडदान के कर्मकांड25 सितंबर को अनन्त चतुर्दशी के दिन पुनपुन में पिंडदान और गयापाल तीर्थपुरोहित की पांव पूजा का विधान है। 26 सितंबर को फल्गु स्नान, श्राद्ध और पांव पूजा होगी। 27 सितंबर को ब्रह्मकुंड में जौ के चूर्ण से पिंडदान के साथ प्रेतशिला, रामशिला और रामकुंड में श्राद्ध तथा काकबली में पिंडदान किया जाएगा। 28 सितंबर को पंचतीर्थ श्राद्ध के तहत उत्तरमानस, उदीची, कनखल, दक्षिणमानस और जिह्वालोल में कर्मकांड होगा। 29 सितंबर को सरस्वती स्नान, पंचरत्न दान, मातंगवापी और धर्मारण्य कूप में श्राद्ध तथा बोधगया में बोधितरू दर्शन का विधान है। 30 सितंबर को ब्रह्मसरोवर और काकबली श्राद्ध के साथ आम्रसिंचन में पिंडदान किया जाएगा।

उदय कुमार सिंह

भारतीय सनातन परंपरा में पितरों का विशेष स्थान माना गया है और पितृपक्ष पूर्वजों के स्मरण, उनके प्रति कृतज्ञता और पितृऋण से उऋण होने की भावना का विशेष काल माना गया है। इस दौरान लोग अपने दिवंगत परिजनों के निमित्त श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करते हैं। ब्राह्मण भोजन, दक्षिणा तथा जीव-जंतुओं को अन्न देने की भी परंपरा है। धार्मिक मान्यता है कि श्रद्धा और विधि-विधान के साथ किया गया श्राद्ध पितरों की तृप्ति और उनके आशीर्वाद का माध्यम बनता है।

शास्त्रीय परंपरा में कहा गया है ह्लश्रद्धया इदं श्राद्धम्ह्व, अर्थात श्रद्धा से पितरों के निमित्त किया गया कर्म ही श्राद्ध है। पितृपक्ष का मूल भाव इसी श्रद्धा में निहित है। यह केवल कर्मकांड का समय नहीं, बल्कि अपनी जड़ों, पूर्वजों और पारिवारिक संस्कारों को स्मरण करने का अवसर भी है। पितृपक्ष में क्यों किया जाता है श्राद्ध?हिंदू धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, पितृपक्ष में पितरों का विशेष स्मरण किया जाता है। इस अवधि में पूर्वजों के निमित्त जल अर्पित करने, तिलांजलि देने और पिंडदान करने की परंपरा है। मान्यता है कि श्रद्धापूर्वक किए गए इन कर्मों से पितरों को तृप्ति और शांति मिलती है तथा परिवार को उनका आशीर्वाद प्राप्त होता है।

शास्त्रों में पितरों के लिए श्रद्धा और उचित विधि से कर्म करने पर विशेष जोर दिया गया है। इसी भाव को इस उक्ति में व्यक्त किया गया है ह्लपितरो वाक्यमिच्छन्ति भावमिच्छन्ति देवताःह्व अर्थात देवताओं के लिए भाव और पितरों के लिए श्रद्धापूर्वक किया गया कर्म महत्वपूर्ण माना गया है। पितृपक्ष में अपने पूर्वजों की मृत्यु तिथि के अनुसार, श्राद्ध करना प्रमुख परंपरा है। यदि किसी पूर्वज की मृत्यु तिथि ज्ञात नहीं हो तो सर्वपितृ अमावस्या को उनके निमित्त श्राद्ध किया जा सकता है। पितृदोष की धार्मिक मान्यतापितृदोष शब्द का संबंध पितरों या पूर्वजों से माना जाता है। धार्मिक और ज्योतिषीय परंपराओं में इसकी अलग-अलग व्याख्याएं मिलती हैं। एक मान्यता के अनुसार, जिन पूर्वजों के निमित्त उचित धार्मिक कर्म नहीं हो पाते अथवा जिनकी आत्मिक शांति से संबंधित कर्म अधूरे रह जाते हैं, उनसे जुड़ी स्थिति को पितृदोष के रूप में देखा जाता है।

ज्योतिषीय मान्यताओं में पितृदोष को परिवार में आने वाली कुछ परेशानियों से जोड़ा जाता है। इनमें पारिवारिक मतभेद, आर्थिक अस्थिरता, कार्यों में बाधा, संतान संबंधी चिंता और जीवन में बार-बार आने वाली कठिनाइयों का उल्लेख मिलता है। हालांकि ये धार्मिक और ज्योतिषीय मान्यताएं हैं, इन्हें वैज्ञानिक रूप से प्रमाणित कारण-परिणाम संबंध के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। इसी प्रकार कुछ ज्योतिषीय परंपराएं कालसर्प योग को भी पितृदोष से जोड़ती हैं। इस संबंध में विभिन्न ज्योतिषीय मतों में भिन्न धारणाएं हैं। आत्मा और पितृलोक की अवधारणाहिंदू दर्शन में

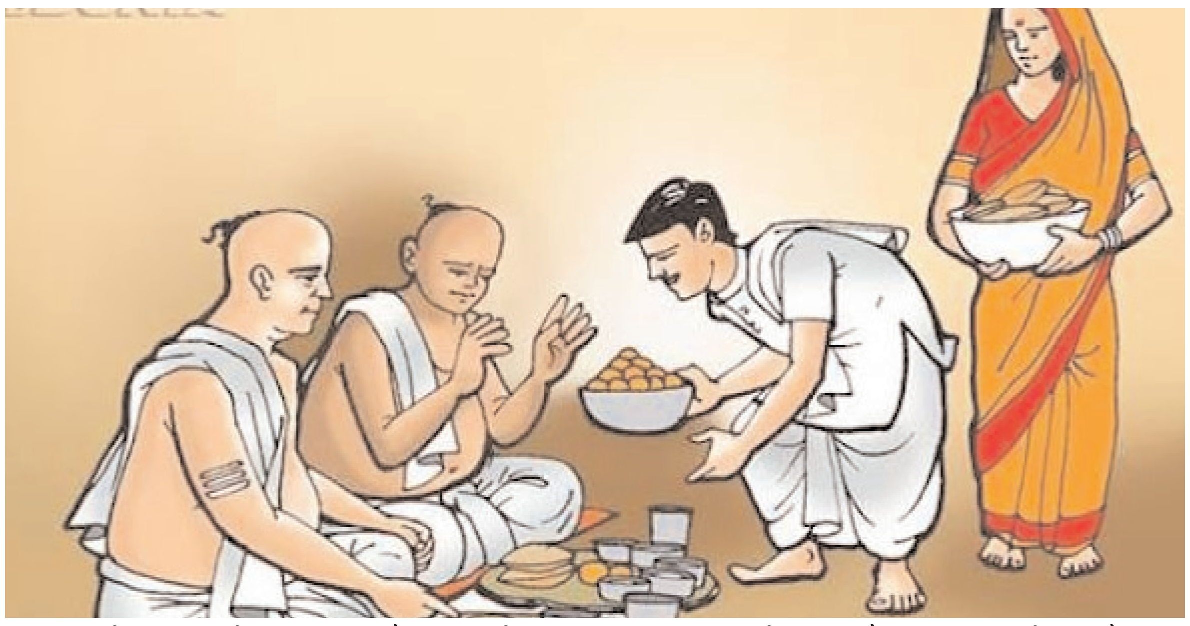

आत्मा को नश्वर शरीर से अलग माना गया है। भगवद्गीता में शरीर परिवर्तन की तुलना पुराने वस्त्र त्यागकर नए वस्त्र धारण करने से की गई है। इसी दार्शनिक दृष्टि के आधार पर धार्मिक परंपरा में माना जाता है कि मृत्यु के बाद स्थूल शरीर का अंत होता है, जबकि आत्मा की यात्रा आगे जारी रहती है। पितृलोक की अवधारणा भी इसी धार्मिक दर्शन का हिस्सा है। विभिन्न ग्रंथों और परंपराओं में पितृलोक की स्थिति तथा वहां पितरों के निवास की अलग-अलग व्याख्या मिलती है। श्राद्धकर्म को इसी धार्मिक विश्वास से जोड़कर देखा जाता है कि पितरों तक श्रद्धा और तर्पण का भाव पहुंचता है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, मनुष्य का स्थूल शरीर नष्ट होने के बाद सूक्ष्म अस्तित्व बना रहता है। श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान को उस सूक्ष्म अस्तित्व की तृप्ति तथा उसके कल्याण से जोड़ा गया है।

श्राद्ध के कितने प्रकार?विभिन्न धर्मग्रंथों में श्राद्ध के अलग-अलग प्रकार बताए गए हैं। मत्स्य पुराण में नित्य, नैमित्तिक और काम्य श्राद्ध का उल्लेख मिलता है, जबकि यमस्मृति में वृद्धि और पार्वण श्राद्ध सहित पांच प्रकार बताए गए हैं। नित्य श्राद्धः प्रतिदिन किए जाने वाले श्राद्ध को नित्य श्राद्ध कहा जाता है। इसमें विश्वदेव की स्थापना नहीं की जाती और केवल जल से भी यह कर्म संपन्न करने का विधान बताया गया है।

नैमित्तिक या एकोद्दिष्ट श्राद्धः किसी विशेष व्यक्ति को निमित्त बनाकर किया जाने वाला श्राद्ध नैमित्तिक कहलाता है। मृत्यु के बाद दशाह, एकादशाह आदि कर्म इसी श्रेणी में रखे जाते हैं। काम्य श्राद्धः किसी विशेष कामना की पूर्ति के उद्देश्य से किया जाने वाला श्राद्ध काम्य श्राद्ध कहलाता है। वृद्धि श्राद्धः पुत्र जन्म, विवाह, गृहप्रवेश जैसे मांगलिक अवसरों पर पितरों की प्रसन्नता के लिए किया जाने वाला श्राद्ध वृद्धि श्राद्ध कहलाता है। इसे नान्दी या नान्दीमुख श्राद्ध भी कहा जाता है। पार्वण श्राद्धः किसी पर्व, अमावस्या या पितृपक्ष जैसी विशेष तिथि पर किया जाने वाला श्राद्ध पार्वण श्राद्ध कहलाता है। इसमें विश्वदेव की स्थापना का भी विधान बताया गया है।

इसके अलावा सपिण्डन, गोष्ठी, शुद्ध्यर्थ, कर्मांग, यात्रार्थ और पुष्ट्यर्थ श्राद्ध का भी उल्लेख मिलता है। सपिण्डन में प्रेत पिंड का पितृ पिंडों के साथ सम्मेलन कराया जाता है। समूह में किए जाने वाले श्राद्ध को गोष्ठी श्राद्ध कहा जाता है। धर्मसिंधु में श्राद्ध के 96 अवसरों का उल्लेख मिलता है। इनमें अमावस्या, संक्रांति, मन्वादि और अन्य विशेष तिथियों तथा योगों के साथ पितृपक्ष, अष्टका, अन्वष्टका आदि को शामिल किया गया है।

पुराणोक्त श्राद्ध कर्मपुराणों और विभिन्न धार्मिक परंपराओं में एकोद्दिष्ट श्राद्ध, पार्वण श्राद्ध, नागबलि, नारायणबलि, त्रिपिण्डी श्राद्ध और महालय श्राद्ध का उल्लेख मिलता है। इनके विधान संप्रदाय और कुल-परंपरा के अनुसार अलग-अलग हो सकते हैं। इसीलिए धार्मिक आचार में कुल परंपरा के अनुसार श्राद्धकर्म करने पर विशेष जोर दिया जाता है। विशेष कर्मकांड के लिए योग्य आचार्य या पुरोहित के मार्गदर्शन का पालन करना उचित माना जाता है।

गयाजी में पिंडदान का विशेष महत्वश्राद्ध और पिंडदान की चर्चा गयाजी के बिना अधूरी मानी जाती है। बिहार का गयाजी क्षेत्र हिंदू धर्म में प्रमुख पितृतीर्थों में शामिल है। यहां विष्णुपद मंदिर, फल्गु नदी और बोधगया सहित अनेक स्थानों पर पिंडदान और तर्पण की परंपरा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार विष्णुपद मंदिर में भगवान विष्णु के चरणचिह्न हैं। श्रद्धालु यहां अपने पितरों के निमित्त पूजा और पिंडदान करते हैं। फल्गु नदी से भी पितृकर्म की प्राचीन परंपरा जुड़ी हुई है। मान्यता है कि भगवान राम ने माता सीता के साथ यहां अपने पिता राजा दशरथ का पिंडदान किया था। इसी पौराणिक परंपरा के कारण गयाजी में पिंडदान को विशेष महत्व प्राप्त हुआ।

गयाजी के नाम से जुड़ी पौराणिक कथा भी अत्यंत प्रसिद्ध है। मान्यता है कि असुर गयासुर के शरीर पर भगवान विष्णु का चरण पड़ा और इसी घटना से गयाजी क्षेत्र की पवित्रता जुड़ी हुई है। आज भी देश के विभिन्न हिस्सों से लोग पितरों के निमित्त पिंडदान करने गयाजी पहुंचते हैं। मोक्ष की भूमि गयाजी में विश्व प्रसिद्ध पितृपक्ष मेला 25 सितंबर से शुरू होगा। 10 अक्टूबर तक चलने वाले इस मेले में देश-विदेश से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर पितरों के निमित्त श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान करेंगे। सामान्य श्रद्धालुओं के लिए पितृपक्ष मेला 16 दिनों का होगा, जबकि त्रैपाक्षिक श्राद्ध करने वाले श्रद्धालुओं के लिए धार्मिक अनुष्ठान 11 अक्टूबर तक जारी रहेगा।

न्यूज ब्रीफ

डॉ0 भीमराव अंबेडकर पोलीटेक्निक कालेज में राष्ट्रगीत वन्देमातरम आज

ग्वालियर। विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान नई दिल्ली के तत्वावधान में नमामि भारतम् योजना के अंतर्गत वन्देमातरम राष्ट्रीय गीत की रचना के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में डॉ0 भीमराव अंबेडकर पोलीटेक्निक महाविद्यालय ग्वालियर में दिनांक 25.09.2026 को प्रात: 11 बजे से राष्ट्रगीत वन्देमातरम के सभी छ: पदों का सामूहिक सस्वर गायन किया जायेगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ सुनील पाठक प्राचार्य पी.जी. व्ही महाविद्यालय ग्वालियर होंगे। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं एवं समस्त स्टाफ सहित छ: सौ प्रतिभागी सम्मिलित होगें। महाविद्यालय के प्राचार्य श्री अजय कुमार जैन की अध्यक्षता में संस्था के प्रवर श्रेणी व्याख्याता श्री योगेन्द्र कुमार वार्ष्णेय कार्यक्रम का संयोजन करेंगे। उपस्थित प्रतिभागियों की उपस्थित का सत्यापन साक्षी के रूप में डॉ. बिन्दु खरे, प्रवर श्रेणी व्याख्याता करेंगी।

मुख्य मार्गों पर कराई पेंच रिपेयरिंग

ग्वालियर। बरसात में खराब हुई सड़कों पर नगर निगम ग्वालियर द्वारा नागरिकों की सुविधा एवं सुगम यातायात के लिए पेंच रिपेयरिंग का कार्य निरंतर किया गया।
सहायक यंत्री अमित गुप्ता ने बताया कि नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देशानुसार निगम के अमले द्वारा निरंतर सुगम यातायात एवं आम नागरिकों की सुविधा के लिए विभिन्न सड़कों पर पेच रिपेयरिंग का काम किया जा रहा है। जिसके तहत आज पटेल नगर जांगीपुर, बारा बीघा रोड, गरगज वाले हनुमान जी, पटरी रोड शताब्दीपुरम तुलसीविहार, सती विहार कॉलोनी सागरताल, इंदिरा कॉलोनी, चंदन राय की कोठी वाली रोड शील नगर, भूरी माता रोड अवाडपुरा में, डीबी मॉल के सामने वाली रोड पर, षिंदे की छावनी मुख्य मार्ग पर, किलागेट बाबा कपूर की दरगाह के पास, छप्पर वाला पुल पर, हुरावली सहित अन्य सड़कों पर पेंच रिपेयरिंग कर यातायात को सुगम बनाया गया।

नाका गुढ़ा स्थित श्री दिगंबर जैन वरैया समाज की ओर से निकाली जाएगी

ग्वालियर। पर्यूषण पर्व के बाद नाका गुढ़ी गुढ़ा स्थित श्री दिगंबर जैन वरैया पंचायती मंदिर समिति एवं सकल जैन समाज के तत्वाधान में 26 सितंबर शनिवार को दोपहर 2 बजे से श्रीजी वार्षिक पालकी शोभायात्रा गाजे बाजे के साथ निकाली जायेगी। मंदिर समिति के मुकेश जैन ने बताया की 40 वर्षों से लगातार वार्षिक जैन मंदिर से श्रीजी पालकी शोभायात्रा निकाली जा रही है। जैन समाज के लोग श्रीजी को पालकी में विराजित कर शोभायात्रा धूमधाम के साथ निकलेंगे। श्रीजी की शोभायात्रा का जैन समाज के लोग अपने घर और प्रतिष्ठानों के आगे रगोली सज्जाकार जगह-जगह श्रीजी की आगवानी कर दीपकों से आरती उतरेंगे। वार्षिक पालकी शोभायात्रा मंदिर से शुरू होकर मुख्य मार्गों से गुढ़ गुढ़ी तिराहे से होकर वापस इंद्र लोक गार्डन पहुंचेगी। यह पालकी शोभायात्रा के उपरांत इंद्र लोक गार्डन पहुंचने पर श्रीजी की पूजन, भजन और कलश अभिषेक किए जायेगे। पालकी शोभायात्रा में बड़ी संख्या में भक्त सम्मिलित होगे।

खाटू श्याम मंदिर के वार्षिक महोत्सव का भंडरे के साथ समापन

ग्वालियर। बाई साहेब की परेड लक्ष्मीकांत स्थित राधा की हवेली का 15वाँ वार्षिक महोत्सव भंडारे के साथ समाप्त हुआ आज सुबह बाबा की आरती के उपरांत बाबा का 56 भोग का प्रसाद भक्तों को बांटा गया मंदिर परिसर के साथ गौशाला में आज दोपहर 12 :00 बजे से बाबा का भंडारा प्रसादी शुरू हुआ जो देर शाम तक चलता रहा मंदिर के प्रेमी अभिमन्यु चौहान तरुण बंसल दीपक त्रिपाठी मनीष शर्मा चित्रांश अग्रवाल निखिल महेंद्रु राहुल जौहरी धनराज लखवानी मनोज चित्तौड़िया उदय अग्रवाल महिलाओं में लक्ष्मी कुशवाहा कल्पना सविता सपना गुप्ता द्वारा सभी श्याम प्रेमियों का एवं समस्त पत्रकार बंधुओ का आभार एवं अभिनंदन किया गया

निगम अध्यक्ष श्री तोमर ने किया परिषद कार्यालय का निरीक्षण, पांच कर्मचारी मिले अनुपस्थित

ग्वालियर। नगर निगम अध्यक्ष मनोज तोमर ने जल विहार स्थित परिषद कार्यालय का प्रात: 11 बजे औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों की उपस्थिति चेक की, जिसमें पांच कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए।
नगर निगम अध्यक्ष मनोज तोमर द्वारा परिषद कार्यालय में किए गए औचक निरीक्षण के दौरान पांच कर्मचारी अनुपस्थित मिले। जिसमें स्टेनो हरीश चन्द्र शुक्ला, महेन्द्र कुमार राजौरिया सहित प्रेम नारायण सविता, अशोक तोमर, एवं भृत्य धर्मेन्द्र कुशवाह अनुपस्थित पाये गए। जिसको लेकर निगम अध्यक्ष श्री तोमर द्वारा सचिव को निर्देशित किया गया कि अनुपस्थित पाये गए सभी कर्मचारियों को नोटिस जारी करें। यदि उनका जवाब संतुष्टिपूर्ण नहीं पाया जाता है तो वेतन काटने की कार्यवाही करें।

महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय में हुई चित्रकला प्रतियोगिता

सेवा-संकल्प अभियान' छात्राओं ने रंगों व कूची से उकेरी मेरे सपनों के भारत की तस्वीर

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत गुरुवार को शासकीय महिला पॉलीटेक्निक महाविद्यालय, ग्वालियर में मेरे सपनों का भारत विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। प्रतियोगिता में 80 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और रंगों व कूची के माध्यम से अपने सपनों के भारत की सुंदर तस्वीर उकेरी। छात्राओं को प्रतियोगिता के लिए आवश्यक सामग्री संस्था की ओर से निःशुल्क उपलब्ध कराई गई। प्रतिभागियों ने स्वच्छ भारत, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, प्रधानमंत्री जनधन योजना, उज्ज्वला योजना तथा विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत जैसे विषयों को अपने चित्रों में जीवंत किया। इन चित्रों में देश के उज्ज्वल भविष्य की झलक साफ दिखाई दी।
प्रतियोगिता का शुभारंभ संस्था के प्राचार्य डॉ. ए. ए. सिद्दीकी ने किया। इस अवसर पर डॉ. मधु, नोडल अधिकारी श्री अनूप पहाड़िया, समन्वयक कु. भारती वर्मा एवं श्रीमती वीणा अनेजा उपस्थित रहे। निर्णायक की भूमिका श्रीमती कल्पना गोयल, श्रीमती रीना तोमर एवं श्रीमती शिवानी सक्सेना ने निभाई। अन्य स्टाफ सदस्य भी कार्यक्रम में मौजूद रहे। जिले में सेवा संकल्प अभियान के तहत

सरकारी एवं निजी विद्यालयों में मेरे सपनों का भारत विषय पर चित्रकला व निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं, जिनका उद्देश्य विद्यार्थियों की रचनात्मकता को मंच देने के साथ उनमें राष्ट्र निर्माण की भावना जगाना है।

सफलता की कहानी : हौसले को मिली पूँजी तो बात बन गई.....

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

ग्वालियर जिले के बिलौआ गांव निवासी अनुराग पाण्डेय के मन में एक सपना बरसों से दस्तक दे रहा था, वह सपना था अपना व्यवसाय व अपनी पहचान। वे इस दिशा में यत्न करते लेकिन हर बार पूँजी की कमी दीवार बनकर आड़े आ जाती। अनुराग के लिए यह सपना तब तक महज़ एक इच्छा बना रहा, जब तक उन्हें 'मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना' के बारे में जानकारी नहीं मिली। अनुराग के जीवन में 'मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना' एक टर्निंग पॉइंट साबित हुई। योजना की सहायता से जून 2026 में मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक की बिलौआ शाखा से उन्हें 10 लाख रुपये का ऋण-अनुदान स्वीकृत हुआ। इस पूंजी ने उनके सपने को दिशा दी और उन्होंने अपना आर.ओ. प्लांट स्थापित कर व्यवसाय की शुरुआत की। फिर शुरू हुआ मेहनत और लगन का सफर। धीरे-धीरे उनकी इकाई ने रफ्तार पकड़ी। उनकी यह इकाई अब सुचारू रूप से संचालित हो रही है। सबसे खास बात यह है कि अनुराग का यह उद्यम अब सिर्फ उनकी नहीं, बल्कि चार अन्य परिवारों की भी आजीविका का ज़रिया बन चुका है। सरकार द्वारा चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' एवं 'मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान' का मूल उद्देश्य भी यही है कि सरकारी योजनाओं का लाभ हर पात्र और जरूरतमंद व्यक्ति तक पहुँचे। अनुराग पाण्डेय की आत्मनिर्भरता की यह कहानी दर्शाती है कि सही जानकारी और सही समय पर मिला सहयोग एक व्यक्ति को न सिर्फ आत्मनिर्भर बनाता है।

नेटग्रिड पोर्टल के माध्यम से दो बर्ष पुराने प्रकरण में अपहृत बालक को पुलिस ने जयपुर से किया दस्तयाब

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर धर्मवीर सिंह(भापुसे) के निर्देशानुसार ग्वालियर जिले में ऑपरेशन मुस्कान के तहत गुमशुदा बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। उक्त निर्देषों के परिपालन में अति. पुलिस अधीक्षक (पूर्व) डॉ0 षिवेष सिंह बघेल द्वारा अपने अधीनस्थ सभी थाना प्रभारियों को थाना क्षेत्र से गुमशुदा बालक-बालिकाओं की दस्तयाबी हेतु टीम बनाकर प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देषानुसार एसडीओपी बेहट मनीष यादव के कुषल मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बिजौली उनि0 सौरभ श्रीवास्तव के द्वारा थाना बल की टीम व तकनीकी सेल को थाना बिजौली में अप0क्र0-154/24 धारा 363 भादवि के प्रकरण में अपहृत नाबालिग बालक की पतारसी कर दस्तयाबी हेतु लगाया गया। दौराने तलाषी पुलिस टीम द्वारा

भारत सरकार के नेटग्रिड पोर्टल के माध्यम से जानकारी प्राप्त की गई तो उक्त नाबालिग बालक जयपुर राजस्थान में होना पाया गया। उक्त जानकारी पर से पुलिस की टीम को जयपुर रवाना किया गया। पुलिस टीम द्वारा तकनीकी सहायता के आधार पर अपहृत नाबालिग बालक थाना झोटबाडा के पास कृष्णा कॉलोनी में किराये के मकान में रहते हुए मिला। जिसे पुलिस टीम द्वारा दस्तयाब कर ग्वालियर लाया गया। थाना बिजौली पुलिस द्वारा उक्त नाबालिग बालक के कथन उपरांत अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। उक्त प्रकरण में नाबालिग बालक को दस्तयाब करने पर पुलिस अधीक्षक ग्वालियर द्वारा 05 हजार रूपये का इनाम घोषित किया गया था। घटना का संक्षिप्त विवरणः- फरियादिया रामकुमारी(परिवर्तित नाम) निवासी बिजौली जिला ग्वालियर ने थाना पर रिपोर्ट लेख कराई थी कि दिनांक 23.05.2024 को सुबह उसका लड़का अजय (परिवर्तित नाम) उम्र 17 साल मुरार बाजार की कहकर चला गया था जब अजय शाम तक घर वापस नहीं आया तो मैंने अजय के फोन पर कॉल किया तो फोन बंद आ रहा था।

यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने शौचालय से हटाया कब्जा, अवैध दीवाल को गिराया

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

नगर निगम ग्वालियर द्वारा शहर के विभिन्न क्षेत्रों में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने एवं मुख्य मार्गों को अतिक्रमण मुक्त करने के उद्देश्य से अभियान चलाकर कार्रवाई की जा रही है। नगर निगम आयुक्त अभिषेक चौधरी के निर्देशन में अपर आयुक्त प्रदीप सिंह तोमर एवं नोडल अधिकारी मदाखलत श्री केशव सिंह चौहान के मार्गदर्शन में मदाखलत दलों ने अलग-अलग क्षेत्रों में कार्रवाई करते हुए हाथ ठेले, फुटपाथी फड़, दुकानों के बाहर रखा सामान एवं अन्य अतिक्रमण हटवाया। मदाखलत अधिकारी शैलेंद्र सिंह चौहान के निर्देशन में पूर्व विधान सभा क्षेत्र के अंतर्गत झांसी रोड विक्की फैक्ट्री चौराहे से पहले सरकारी शौचालय में सामान रख कर कब्जा कर लिया गया था। दीवाल की तुड़ाई कर सामान को हटवाकर शौचालय को खाली करवाया। इसके पश्चात जयेंद्रगंज रोशनी घर के पास पार्क के बगल से गली के अंदर चल रहे अवैध निर्माण को बंद करवाया।

इसके पश्चात माधव नगर में रोड़ पर रखे पत्थर और लकड़ियों को हटवाया। कार्रवाही के दौरान जोनल ऑफिसर श्री रविंद्र गुर्जर, मदाखलत निरीक्षक श्री सुघर सिंह सिसोदिया व दल पूर्व उपस्थित रहा। दक्षिण विधानसभा अंतर्गत मदाखलत अधिकारी के निर्देशन में महाराज बाड़ा अंतर्गत सुभाष मार्केट, नजरबाग मार्केट, टोपी बाजार, एसबीआई बैंक, हेमू चौक, छापाखाना, स्काउट, गाँधी मार्केट के मुख्य मार्गों से हाथ ठेले, फुटपातियों के फड़ को हटवाया जाकर मुख्य मार्ग क्लियर करवाया गया। उक्त कार्रवाई के दौरान मदाखलत निरीक्षक श्री आजाद खान सहित दल दक्षिण मौके पर उपस्थित रहा।

सागरताल में निर्मित गंगाजल युक्त कृत्रिम जलाशय में श्री गणेश मूर्ति विसर्जन आज

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

जिला प्रशासन, नगर निगम ग्वालियर एवं वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान, ग्वालियर के सार्थक प्रयास से गंगाजल युक्त जलाशय में श्री गणेश प्रतिमाओं का मूर्ति विसर्जन प्रातः 10 बजे जीवाजी क्लब से रवाना होते हुए कटोराताल पर प्रतिमाओं का एकत्रीकरण किया जायेगा। तत्पश्चात प्रतिमाओं को सागरताल में निर्मित कृत्रिम जलाशय में विसर्जित किया जायेगा। वरिष्ठ नागरिक सेवा संस्थान के अध्यक्ष इंजी. एस.के. गुप्ता, सचिव एम.के. जैन ने बताया कि जीवाजी क्लब में प्रातः 10 बजे से 12 बजे के मध्य जिला कलेक्टर श्रीमती रुचिका सिंह चौहान, नगर निगम आयुक्त श्री अभिषेक चौधरी, वरिष्ठ नागरिक सेवा संसथान के संस्थापक भूपेन्द्र जैन प्रतिमाओं का पूजन कर जलाशय बने वाहनों को रवाना करेंगे। इस अवसर पर जीवाजी क्लब वरिष्ठ नागरिक सेवा

संस्थान एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यकर्ता उपस्थित रहेंगे। कार्यक्रम प्रभारी रमेश पटेल, जोसफ एलेक्जेंडर, रघुनाथ सिंह तोमर, संजय पांडे ने सभी आमंत्रित गणों को प्रातः जीवाजी क्लब आने का अनुरोध किया है। साथ ही शहरवासियों से आग्रह है कि वे गंगाजल युक्त चलित जलाशयों में मूर्ति विसर्जन कर पर्यावरण संरक्षण की ओर अपना सहयोग प्रदान करें।

आजादी के 80 साल बाद भी कोठी गांव में शमशान घाट ना होना प्रशासन के लिए कलंक... अखिलेश

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

जिला प्रशासन से महज चार और पांच किलोमीटर दूरी पर विक्की फेक्ट्री के पास कोठी गाँव जो की नगर निगम सीमा के सीमा के अंतर्गत आता है लेकिन आजादी के 80 साल बीत जाने के बाद भी 3000 की आबादी वाले गांव में एक शमशान तक नहीं है जबकि भू माफिया वहां पर तमाम जमीन ने जो सरकारी हैं उन पर कब्जा किए हुए हैं लेकिन शासन और प्रशासन की ओर से एक शमशान घाट नहीं बनाया जा सकता है जिसके कारण ग्रामीणों को अपने खेतों में 5-6 किलोमीटर दूर दूसरी जगह ले जाकर अपने परिजनों की अंतिम क्रिया करने के लिए मजबूर होना पड़ता है, इस सवाल को लेकर आज मध्य प्रदेश किसान सभा की ओर से कलेक्ट्रेट पर जोरदार प्रदर्शन किया गया इस प्रदर्शन में सैकड़ो की संख्या में कोठी गांव की

महिला और पुरुष शामिल हुए मध्य प्रदेश किसान सभा की ओर से राज्य महासचिव अखिलेश यादव ने इसे प्रशासन के लिए कलंक बताते हुए कहा कि यह बुनियादी सुविधाएं हैं जिन्हें प्रशासन को यथाशीघ्र उपलब्ध करना चाहिए लेकिन कोठी गांव के लोग वर्षो से भटक रहे हैं लेकिन उन्हें शमशान घाट की जमीन नहीं मिल सकती है, सभा में किसान नेता सुग्रीव सिंह राजवीर सिंह गुर्जर बीरबल सिंह चयन हाकिम सिंह कुशवाहा के अलावा कोठी गांव के सैकड़ो लोग शामिल थे एडीएम श्री सी बी प्रसाद को दिए गए ज्ञापन में उन्होंने गंभीरता के साथ मामले को सुना एवं प्रतिनिधिमंडल को 10 दिन का समय देते हुए कहा कि उक्त समय सीमा में शमशान घाट के लिए भूमि चिन्हित करके श्मशान घाट बनवाने का काम शुरू कर दिया जाएगा इस आश्वासन पर ग्रामीणों ने कहा कि अगर 10 दिनों के अंदर श्मशान घाट का निर्माण नहीं होता तो फिर कलेक्ट्रेट पर आकर आमरण अनशन के लिए विवश होना पड़ेगा.

पर्युषण महापर्व के नौ दिन आज गुरुवार को उत्तम आकिंचन्य की भक्ति पूर्वक आराधना

आकिंचन्य का मतलब सुई के बराबर भी परिग्रह न होना है : आचार्यश्री

एक सत बुलेटिन, ग्वालियर

पर्युषण महापर्व के नौ दिन आज गुरुवार को उत्तम आकिंचन्य की भक्ति पूर्वक आराधना की गई। आत्म साधना वर्षायोग समिति तथा सकल जैन समाज के तत्वावधान में आचार्य श्री चैत्य सागर महाराज एवं मुनिश्री अनुमान सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में पर्युषण महापर्व पर दाना ओली स्थित दिगंबर बीसपंथी चंपाबाग जैन मंदिर में उत्तम आकिंचन्य धर्म की जैन समाज के लोगो ने पूजन किया। वही 25 सितंबर शुक्रवार को दसवें दिन उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की पूजन आराधना होगी। कलशों से किया श्रीजी का पंचामृतभिषेक, हुई मंत्रो से शांतिधारा, पूजन में चढ़ाए अर्घ्य। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि आचार्य श्री चैत्य सागर महाराज और मुनि श्री अनुमान सागर महाराज के सानिध्य में प्रतिष्ठाचार्य पंडित डॉ आनंद प्रकाश शास्त्री ने जैन समाज के लोगो ने मंत्रोच्चार के 108 कलशों से भगवान जिनेंद्र जयकारों के साथ अभिषेक किया। आचार्य श्री ने

मंत्रों से बृहद शांतिधारा श्रीजी की गई। वहीं दसलक्षण पूजन प्रतिष्ठाचार्य पंडित डॉ आनंद प्रकाश शास्त्री ने उत्तम आकिंचन्य धर्म की पूजन जैन समाज के महिला, पुरुष ओर बालिकाओं ने नवदेवता पूजा, पंचमेरु पूजा संगीतमय भक्ति नृत्य के साथ अष्ट द्रव्य से पूजन अर्चना कर महा अर्घ्य समर्पित भगवान जिनेंद्र के समक्ष किए। तपस्वी की शोभायात्रा एवं तपस्वियों का महापारणा कल होगा। जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि आचार्य श्री चैत्य सागर महाराज ओर मुनिश्री अनुमान सागर महाराज के सानिध्य में 26 सितम्बर को सुबह 7:30 बजे से पर्वराज पर्युषण में 10 दिन का उपवास करने वाले महिला एवं पुरुष तपस्वियों का बैंडबाजों के साथ बग्गी में बैठाकर शोभायात्रा चंपाबाग मंदिर से प्रारंभ होकर दानाओली, महाराज बाड़ा, सराफा बाजार, गश्त का ताजिया, नई सड़क होते हुए चंपाबाग बगीची पहुंचेगी। वहां पर 10 दिन, 5 दिन और 3 दिन का उपवास करने वाले सभी तपस्वियों का महा पारणा होगा। पर धर्मसभा को संबोधित करते हुए कहा कि उत्तम आकिंचन्य का मतलब सुई के बराबर भी परिग्रह न होना है।

संक्षिप्त समाचार

नौकरी वालों की बल्ले-बल्ले, 3 सरकारी बैंक दे रहे हैं कम ब्याज दर पर सस्ता होम लोन

नई दिल्ली, एजेंसी। बढ़ती महंगाई ने प्रॉपर्टी की कीमतों में भी काफी उछाल किया है। इससे घर की खरीदारी करने वालों या घर बनाने वालों को पहले की तुलना में अधिक पैसा देना पड़ रहा है। प्रॉपर्टी के बढ़े दाम के बीच अगर घर खरीदारों को सस्ते होम लोन की मदद मिल जाए, तो क्या ही कहना। अगर आप नौकरीपेशा करने वाले हैं और आप भी अपने सपने का आशियाना बनाने जा रहे हैं या बने बनाए घर को खरीदने की सोच रहे हैं और आपको सरकारी बैंक से सस्ते होम लोन की तलाश है तो यह खबर आपके लिए खास हो सकती है। हम यहां तीन सरकारी बैंकों की लिस्ट दे रहे हैं, जो अपने पात्र ग्राहकों को 7.15 फीसदी (शुरुआत) की ब्याज दर से होम लोन की सुविधा प्रदान कर रहे हैं। आइए इनके बारे में जानते हैं। कौन से सरकारी बैंक सस्ता होम लोन दे रहे हैं देश में कई सारे सरकारी बैंक हैं, लेकिन यहां हम तीन सरकारी बैंकों के बारे में बात कर रहे हैं, जो ग्राहकों को 7.15 फीसदी से लेकर के 9.85 फीसदी की सालाना ब्याज दर से होम लोन की सुविधा दे रहे हैं। इन बैंकों का नाम है– केनरा बैंक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया और पंजाब नेशनल बैंक। ये तीनों बैंक अपने–अपने स्तर पर सस्ता होम लोन प्रदान कर रहे हैं। अगर आप केनरा बैंक से 20 लाख रुपये का होम लोन ले रहे हैं और इसपर सालाना 7.15 फीसदी की ब्याज दर लग रही है, तो 5 साल के लिए कितनी ईएमआई होगी इसके लिए हम केनरा बैंक होम लोन ईएमआई कैलकुलेटर का इस्तेमाल करके हिसाब कर रहे हैं। होम लोन के लिए डॉक्यूमेंट में पहचान पत्र, निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, बैंक स्टेटमेंट, सैलरी स्लिप, प्रॉपर्टी के कागजात आदि। होम लोन के लिए सिबिल स्कोर कितना होना चाहिए होम लोन के लिए सिबिल स्कोर 750 या उससे अधिक हो, तो आसानी से लोन मिल जाता है। 20 लाख रुपये के होम लोन पर कितनी ईएमआई लगेगी 20 लाख रुपये के होम लोन पर 7.15 फीसदी की सालाना ब्याज दर से 5 साल के लिए 39,744.09 रुपये की ईएमआई लगेगी। होम लोन के लिए आप संबंधित बैंक के मोबाइल ऐप, आधिकारिक वेबसाइट या नजदीकी बैंक ब्रांच जाकर के अप्लाई कर सकते हैं। 10 लाख रुपये के होम लोन पर 5 साल के लिए कितनी लगेगी 10 लाख रुपये के होम लोन पर 5 साल के लिए 19872.05 रुपये की लगेगी। इसपर 7.15 फीसदी का सालाना ब्याज लग रहा है।

आईपीओ लिस्टिंग के बाद 5 प्रतिशत चढ़ा एनएसई का शेयर

नईदिल्ली, एजेंसी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया के शेयरों ने 24 सितंबर 2026 को शेयर बाजार में एंट्री की। शेयर 1,800 पर लिस्ट हुआ, जो 1,785 के इश्यू प्राइस से करीब 0.84 प्रतिशत ज्यादा था। हालांकि, शुरुआती लिस्टिंग उम्मीदों के मुकाबले सीमित रही, लेकिन कारोबार शुरू होने के बाद शेयर में तेजी आई और शुरुआती कारोबार में यह करीब 1,870 के स्तर तक पहुंच गया, यानी इश्यू प्राइस की तुलना में शेयर ने करीब 5 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की। आइए जानते हैं कि क्या इस स्टॉक को होल्ड रखना चाहिए या फिर बहती गंगा में हाथ धो लेना चाहिए यानी कि शेयरों में तेजी देखते ही निवेशकों को शेयर सेल कर देना चाहिए निवेशकों का मजबूत रिस्पॉन्स मिला था। 22,561 करोड़ से अधिक के इस इश्यू को कुल मिलाकर 5.71 गुना सब्सक्रिप्शन मिला। हिस्सेदारी 12.68 गुना और हिस्सेदारी 6.55 गुना सब्सक्राइब हुई, जबकि रिटेल हिस्सा 1.39 गुना भरा। प्राइस बैंड 1,700 से 1,785 था और इश्यू पूरी तरह ओएफएस था। लिस्टिंग के बाद एनएसई की सबसे बड़ी ताकत उसका भारतीय कैपिटल मार्केट में मजबूत स्थान है। कैश इक्विटी सेगमेंट में करीब 93 प्रतिशत मार्केट शेयर है, जबकि डेरिवेटिव्स में भी इसकी हिस्सेदारी काफी बड़ी है। इसका बड़ा नेटवर्क, टेक्नोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर और ट्रेडिंग वॉल्यूम कंपनी के बिजनेस मॉडल के अहम हिस्से हैं। हालांकि, इसी मॉडल से जुड़ा एक जोखिम भी है। जी हां, क्योंकि कंपनी की कमाई का बड़ा हिस्सा बाजार में होने वाली ट्रेडिंग गतिविधियों पर निर्भर करता है।

1 अक्टूबर से नियमों में होगा बदलाव

नई दिल्ली, एजेंसी। देश में सबसे सुरक्षित निवेशों में फिक्स्ड डिपॉजिट को अहम माना जाता है। इसमें समय के साथ जमा राशि पर मिलने वाला ब्याज भी पहले से तय होता है। इस बीच बैंक एफडी में निवेश करने वालों और खासकर के संबंधित बैंक के लिए एक बड़ी खबर है।

केंद्रीय बैंक यानी कि आरबीआई ने बीते दिनों बैंक एफडी को लेकर उसके नियमों में संशोधन किया था, जिसे एक अक्टूबर 2026 से लागू किया जाएगा। बैंक एफडी की ब्याज दरों में पारदर्शिता लाने और ग्राहकों के लिए और भी सहूलियत बनाने के लिए 1 अक्टूबर से एफडी के नियमों में बड़ा बदलाव होगा। आइए जानते हैं यह पूरा बदलाव क्या है और इससे क्या असर पड़ेगा।

बैंक एफडी के लिए आरबीआई का नया नियम क्या है

बीते दिनों केंद्रीय बैंक यानी कि भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंक एफडी से जुड़े नियमों में बदलाव को लेकर दिशानिर्देश जारी किया था, जिसे एक 1 अक्टूबर 2026 से लागू कर दिया जाएगा।

इस नियम के तहत बैंक की अलग-अलग ब्रांच में एक ही अवधि (समय) के लिए बनी एफडी योजना और उसपर मिलने वाली सालाना ब्याज दर एक सामान होगी। यह शहर या जगह के आधार पर अलग-अलग नहीं होगी। मतलब कि देश के सभी ब्रांचों में संबंधित बैंक की एफडी दर सामान होगी। इस नियम के तहत यह भी साफ किया गया है कि बैंकों को एफडी पर दी जाने वाली ब्याज दर को ग्राहकों को मौखिक रूप से नहीं बल्कि अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर पहले से ही बताना होगा। मतलब कि किसी भी बैंक को अपनी एफडी योजना के रेट कार्ड को लोगों के लिए पहले से ही अपनी वेबसाइट पर सार्वजनिक करना होगा। एफडी की विशेषता में सुरक्षित रिटर्न, तय ब्याज दर और तय समय समेत अन्य शामिल हैं। एफडी में कितना पैसा जमा कर सकते हैं एफडी में अधिकतम पैसे जमा करने की कोई सीमा नहीं है। हालांकि, न्यूनतम आप 1000 रुपये से निवेश शुरू कर सकते हैं। सीनियर सिटीजन को एफडी पर 8.50 प्रतिशत तक का ब्याज मिलता है।

1 अक्टूबर से मौजूदा एफडी पर क्या असर पड़ेगा

मिली जानकारी के अनुसार, एफडी को लेकर यह जो भी नया नियम एक अक्टूबर से लागू होने जा रहा है, इससे मौजूदा एफडी पर कोई बड़ा असर या असर नहीं पड़ेगा। आपकी जो भी एफडी पहले से चल रही है, वह उसी तय ब्याज दर, समय या तय नियमों के साथ जारी रहेगी।

बैंक एफडी की ब्याज दरें कैसे तय करता है

बैंक एफडी की ब्याज दरें जमा राशि के आधार पर तय करता है। वह आमतौर पर जमा राशि के आधार पर अलग–अलग एफडी पर ब्याज रेट देता है। बैंक खुदरा जमा (जो 3 करोड़ रुपये से कम होती हैं) पर एक ही ब्याज दर लागू किए हुए होता है, जबकि बल्क डिपॉजिट यानी कि 3 करोड़ रुपये या उससे अधिक की राशि पर ब्याज दरें अलग–अलग होती हैं। मालूम हो कि 22 अक्टूबर 1997 से, आरबीआई ने बैंकों को अलग–अलग अवधि वाली घरेलू मियादी जमाओं (टर्म डिपॉजिट) पर अपनी ब्याज दरें तय करने की आजादी दे दी थी। बल्क डिपॉजिट के लिए भी नए नियम लागू होंगे। बल्क डिपॉजिट यानी कि 3 करोड़ रुपये या उससे अधिक की राशि की एफडी के लिए बैंकों को हर रोज अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर नई दरें अपडेट करनी होगी। इसकी टाइमिंग हर रोज सुबह 10 बजे रहेगी। ग्रेस टाइम के साथ इसे हर हाल में सुबह 10 :10 बजे तक अपडेट कर देना ही होगा। एफडी का पूरा नाम फिक्स्ड डिपॉजिट है, जिसे हिंदी में सावधि जमा कहते हैं।सीनियर सिटीजन को एफडी पर कितना ब्याज मिलता है

सरकारी कर्मचारियों को इस महीने पांच दिन पहले ही मिल जाएगी सैलरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार के कर्मचारियों को इस बार 25 सितंबर को ही सैलरी मिल सकती है। इसकी वजह यह है कि 28 सितंबर से बैंक कर्मचारियों की तीन दिन की हड़ताल होने वाली है। 26 सितंबर को चौथा शनिवार होने के कारण बंद रहेंगे। वित्त मंत्रालय ने सभी विभागों और मंत्रालयों को सलाह दी है कि वे सितंबर महीने की सैलरी 25 सितंबर को ही एडवांस में जारी कर दें। हालांकि ग्राहकों की सुविधा के लिए रविवार 27 सितंबर को क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक समेत सभी बैंक खुले रहेंगे। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस ने 28 से 30 सितंबर तक हड़ताल की कॉल दी है। फोरम का दावा है कि वह बैंकिंग सेक्टर के 90 प्रतिशत कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करने का दावा करता है। इस हड़ताल को देखते हुए सरकार ने फैसला किया है कि सितंबर 2026 महीने के लिए सभी केंद्र सरकार के कर्मचारियों की सैलरी/वेतन/पेंशन पहले ही निकाली और बांटी जा सकती है। वित्त मंत्रालय के तहत आने वाले कंट्रोलर जनरल ऑफ अकाउंट्स ने एक ऑफिस मेमोरेंडम में कहा कि केंद्र सरकार के इंडस्ट्रियल कर्मचारियों की सितंबर 2026 की सैलरी भी 25 सितंबर, 2026 को एडवांस में दी जा सकती है। साथ ही केंद्र सरकार के सभी पेंशनर्स की सितंबर 2026 की पेंशन भी बैंक द्वारा 25 सितंबर, 2026 को दी जा सकती है।

नवरात्रे से पहले सरकार का बड़ा तोहफा, खाना पकाने का तेल पर आधी की ड्यूटी

नई दिल्ली, एजेंसी। घरेलू बाजार में खाना बनाने के तेल की बढ़ती कीमतों पर सरकार ने बड़ा निर्णय लिया है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने क्रूड और रिफाइंड एडिबल ऑयल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को आधा कर दिया है। अब यह घट कर 5 प्रतिशत रह गया है। केंद्रीय वित्त मंत्रालय की तरफ से इस बारे में एक नोटिफिकेशन जारी हो गया है। नोटिफिकेशन के मुताबिक अब पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को 10 फीसदी से घटा कर 5 फीसदी कर दिया गया है। मतलब कि बिना रिफाइन किए हुए सोयाबीन और पाम ऑयल मंगाना अब सस्ता पड़ेगा। सरकार ने क्रूड सूर्यमुखी के तेल पर तो कस्टम ड्यूटी को 10 फीसदी से घटा कर शून्य कर दिया है।

सरकार द्वारा कुछ खाद्य तेलों के आयात पर सीमा शुल्क में कटौती का फैसला महत्वपूर्ण समय पर आया है। अभी दशहरा-दिवाली जैसे बड़े त्योहार आने वाले हैं। इससे कच्चे तेल के आयातकों को राहत मिलेगी।

महत्वपूर्ण समय पर हुआ है फैसला

इंडियन वेजिटेबल ऑयल प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष सुधाकर देसाई ने सरकार के इस फैसले का स्वागत किया है। उन्होंने कहा है 'सरकार द्वारा कुछ खाद्य तेलों के आयात पर सीमा शुल्क में कटौती का फैसला महत्वपूर्ण समय पर आया है। अभी दशहरा-दिवाली जैसे बड़े त्योहार आने वाले हैं। इससे कच्चे तेल के आयातकों को राहत मिलेगी। '

रिफाइंड तेलों पर क्या हुआ

सरकार ने रिफाइंड सोयाबीन और पॉम आयल पर बेसिक कस्टम ड्यूटी को 32.5 फीसदी से घटा कर 27.5 फीसदी कर दिया है। रिफाइंड सूर्यमुखी के तेल पर भी बेसिक कस्टम ड्यूटी में पांच फीसदी की कमी हुई है। अब यह 32.5 फीसदी से घट कर 22.5 फीसदी रह गया है। आपकी आसानी के लिए आपको नीचे एक टेबल दे रहे हैं, जिससे सभी चीजें स्पष्ट हो जाएंगी।

कब से लागू होगा यह फैसला

गजट नोटिफिकेशन के अनुसार ड्यूटी में यह कटौती 24 सितंबर 2026 से प्रभावी होंगी। माना जा रहा है कि सरकार के इस फैसले से खाद्य मुद्रास्फीति पर सकारात्मक असर पड़ेगा। क्योंकि इस कदम से खाद्य तेलों की लैंडेड लागत कम होने की उम्मीद है, जो संभवत: घरेलू कीमतों में कमी में बदल सकती है। उल्लेखनीय है कि भारत दुनिया के सबसे बड़े खाद्य तेल आयातकों में से एक है।

घमासान के बीच एजीएम की तैयारी में टाटा संस, कोरम पूरा नहीं हुआ तो एनसीएलटी का रुख कर सकती है कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप में मचे घमासान के बीच होल्डिंग कंपनी टाटा संस अपने बिजनेस प्लान को आगे बढ़ाने और पेंडिंग कॉर्पोरेट मामलों पर चर्चा करने के लिए अगले महीने अपनी सालाना आम बैठक बुलाने की योजना बना रही है। इन मामलों में एन चंद्रशेखरन की डायरेक्टर के तौर पर दोबारा नियुक्ति भी शामिल है। इसे लेकर टाटा ट्रस्ट्स के चेयरमैन नोएल टाटा और टाटा संस के बाकी बोर्ड के बीच मतभेद हैं। ईटी की एक रिपोर्ट के मुताबिक सूत्रों ने बताया कि अगर सर रतन टाटा ट्रस्ट पर जारी पाबंदियों की वजह से जरूरी कोरम नहीं बन पाता है, तो टाटा संस नेशनल कंपनी लॉ ट्रिब्यूनल का रुख कर सकती है। इससे उसे बैठक करने और अपने पेंडिंग बिजनेस को पूरा करने का कानूनी रास्ता मिल जाएगा। यह लागू कॉर्पोरेट कानून के नियमों के

मुताबिक होगा। कंपनी ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की। इससे मूल विवाद का समाधान नहीं होगा। प्रभावित शेयरधारक या उसमें पारित प्रस्तावों को चुनौती दे सकते हैं, जिससे बैठक और उसके फैसलों की वैधता को लेकर एक और कानूनी लड़ाई शुरू हो सकती है। जानकारों का कहना है कि इससे टाटा संस के नॉमिनी के बिना भी आगे बढ़ सकती है। वैल्यूएशन एडवाइजरी में विशेषज्ञता रखने वाली फर्म मॉर्फिस मैनेजमेंट सर्विसेज के पार्टनर विमल तापरिया ने कहा, 'इससे मूल विवाद का समाधान नहीं होगा। प्रभावित शेयरधारक उसमें पारित प्रस्तावों को चुनौती दे सकते हैं, जिससे बैठक और उसके फैसलों की वैधता को लेकर एक और कानूनी लड़ाई शुरू हो सकती है। ' कार्यकाल को शेयरधारकों द्वारा रिन्यू किया जाना है। जानकारों का कहना है कि कंपनी के नियमों के मुताबिक अगर कोरम की कमी के कारण बैठक नहीं हो पाती है, तो चंद्रशेखरन तब तक डायरेक्टर बने रहेंगे।

तीन महीने का एक्सटेंशन

एक एग्जीक्यूटिव ने कहा, 'टाटा संस को कई मामलों पर तेजी से काम करना होगा, इसलिए जल्द से जल्द होना जरूरी है। ऐसा करने का सबसे अच्छा तरीका खोजने के लिए कानूनी तौर पर मामले की विस्तार से जांच की गई है।' कंपनी को रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज से त्रस्के लिए पहले ही तीन महीने का एक्सटेंशन मिल चुका है। इससे पहले 18 अगस्त को होने वाली बैठक कोरम की कमी के कारण टाल दी गई थी।
महाराष्ट्र चैरिटी कमिश्नर ने बैठकें करने या फैसले लेने से जुड़ी पाबंदियां नहीं हटाई हैं।

लिस्ट होते ही एचयूएल और सन फार्मा से आगे निकल गई एनएसई

नई दिल्ली, एजेंसी। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के शेयरों की आज बाजार में फीकी शुरुआत हुई। शेयर बाजार में भारी गिरावट के बीच पर कंपनी का शेयर एक फीसदी से भी कम प्रीमियम के साथ 1,800 रुपये लिस्ट हुआ। इसका इश्यू प्राइस 1,785 रुपये था। हालांक लिस्टिंग के बाद यह 1878 रुपये तक उछला और इसका कंपनी का मार्केट कैप 4.63 लाख करोड़ रुपये हो गया। इससे यह भारतीय शेयर बाजार की नौवीं मोस्ट वैल्यूएबल कंपनी बन गई है। डेटा से पता चलता है कि इसने सेक्टर की दिग्गज कंपनी हिंदुस्तान यूनिलीवर और हेल्थकेयर की बड़ी कंपनी सन फार्मास्यूटिकल्स को पीछे छोड़ दिया है। स्टॉक एक्सचेंज के डेटा के इसके आगे अब रिलायंस इंडस्ट्रीज (16.77 लाख करोड़), बैंक (11.25 लाख करोड़), भारती एयरटेल, बैंक, बजाज फाइनेंस रह गई हैं। 1,785 रुपये प्रति शेयर के आईपीओ प्राइस पर एनएसई की वैल्यूएशन 4.42 लाख करोड़ रुपये थी। इसकी तुलना में, प्रतिद्वंद्वी बीएसई का मार्केट कैप 1.33 लाख करोड़ रुपये है। कंपनी की लिस्टिंग फीकी रही लेकिन बाजार के कुछ जानकारों का कहना है कि शुरुआती दिनों में शेयर की कीमत पर डिमांड–सप्लाई का काफी असर पड़ सकता है। उनका कहना है कि ज्यादातर बड़े निवेशकों पर एग्जिट की पाबंदियों के कारण बाजार में शेयरों की तुरंत सप्लाई सीमित हो सकती है, जिससे बाद में कीमतों को सहारा मिल सकता है।

कैंपा कोला पर मुकेश अंबानी का बड़ा दांव, एफएमसीजी बिजनेस के लिए खोल दिया खजाना

नई दिल्ली, एजेंसी। देश की सबसे मोस्ट वैल्यूएबल कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज एफएमसीजी बिजनेस में बड़ा दांव लगा रही है। कंपनी ने इस बिजनेस से जुड़ी कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी चार गुना बढ़ाकर

40,000 करोड़ कर दी है। इससे कंपनी को पूंजी जुटाने, उधार लेने और निवेश करने की सीमा बढ़ाने में मदद मिल सकती है। यह कंपनी और रेंज के जरूरी सामान बेचती है। रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज के पास जमा लेटेस्ट रेगुलेटरी फाइलिंग में रिलायंस ने यह जानकारी दी है। तेजी से अपने बिजनेस का विस्तार कर रही है। कंपनी का कहना है कि अधिकृत शेयर पूंजी में बढ़ोतरी से उसके स्वस्थ्त ऑपरेशन्स के बढ़ते दायरे को देखते हुए पूंजी जारी करने में आसानी होगी। कंपनी ने बिजनेस के लिए फंड की बढ़ी हुई जरूरत को पूरा करने के लिए अपनी उधार लेने की सीमा को भी 9,000 करोड़ से तीन गुना बढ़ाकर 27,000 करोड़ कर दिया है। बिजनेस इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म के जरिए मिली फाइलिंग के अनुसार, दूसरी कंपनियों में निवेश करने या उन्हें लोन देने की सीमा को दोगुना करके 4,000 करोड़ कर दिया गया है।

डायरेक्टर्स का कार्यकाल

रिलायंस इंडस्ट्रीज ने तीन एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर्स टी कृष्णकुमार (66), केतन मोदी (49) और असीम पारेख (61) का कार्यकाल भी पांच साल के लिए बढ़ाकर 2030 तक कर दिया है। फाइलिंग से पता चला कि बोर्ड ने जुलाई और अगस्त में इन प्रस्तावों को मंजूरी दी थी। प्रेस टाइम तक रिलायंस इंडस्ट्रीज को भेजे गए सवालों का कोई जवाब नहीं मिला था। पिछले साल दिसंबर में अपनी पैरेंट कंपनी के बिजनेस के रीस्ट्रक्चरिंग के हिस्से के तौर पर अपनी अधिकृत शेयर पूंजी को बढ़ाकर 10,000 करोड़ किया था। इसके बाद बिजनेस की सब्सिडियरी होने के बजाय सीधे सब्सिडियरी बन गया।

रीस्ट्रक्चरिंग

इस रीस्ट्रक्चरिंग में 'स्लंप सेल'के जरिए से ब्रांड्स का ट्रांसफर शामिल था। इसके बाद में विलय कर दिया गया। इसके बाद के कंज्यूमर ब्रांड्स बिजनेस को अलग करके एक नई कंपनी बनाई गई, जिसे बाद में फिर से नाम दिया गया। अपनी हालिया फाइलिंग में कहा कि वित्त वर्ष 2026–27 और आने वाले वर्षों के लिए उसका बिजनेस आउटलुक सकारात्मक है, जिसमें वैल्यू और वॉल्यूम दोनों के बढ़ने की उम्मीद है।

दो बिजनेस डूबे, घर गिरवी रखा, कार बेची... फिर खड़ी कर दी 12000 करोड़ की कंपनी, अब आईपीओ की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। स्टार्टअप की दुनिया में सफलता की कहानियां अक्सर करोड़ों की फंडिंग और बड़ी वैल्यूएशन से शुरू होती हैं। लेकिन फाउंडर नीरज सिंह की कहानी इससे बिल्कुल अलग है। उनके शुरुआती दो स्टार्टअप बंद हो गए। एक समय ऐसा भी आया जब कारोबार को आगे बढ़ाने के लिए उन्हें अपना घर गिरवी रखना पड़ा और कार तक बेचनी पड़ी। इसके बावजूद उन्होंने तीसरी कोशिश की और स्पिनी को हजारों करोड़ रुपये की कंपनी बना दिया। अब कंपनी आईपीओ लाने की तैयारी कर रही है।

झारखंड के डाल्टनगंज में पले-बढ़े नीरज सिंह पढ़ाई में काफी अच्छे थे। उन्होंने पहली कोशिश में आईआईटी की परीक्षा पास की। शुरुआत में उन्होंने 2002 में रुड़की में आर्किटेक्चरल इंजीनियरिंग में दाखिला लिया, लेकिन एक साल बाद दोबारा इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षा देकर आईआईटी दिल्ली में इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई शुरू की। हालांकि, उनकी उद्यमिता की शुरुआत इतनी आसान नहीं रही। उनका पहला स्टार्टअप फरवरी 2011 में बंद हो गया। इसके बाद उन्होंने नाम से कंटेंट एग्रीगेशन और डिस्ट्रीब्यूशन प्लेटफॉर्म शुरू किया, लेकिन यह कारोबार भी दिसंबर 2014 में बंद हो गया।

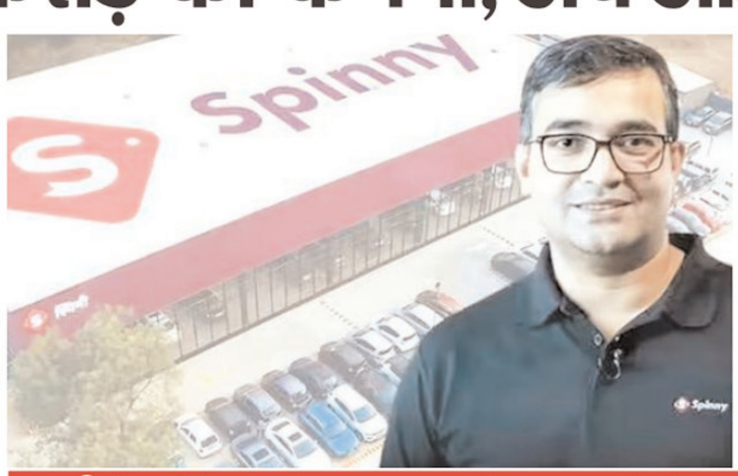

निवेशकों ने कहा- 'आत्महत्या क्यों करना चाहते हो'

साल 2015 की शुरुआत में नीरज अपने तीसरे स्टार्टअप की तैयारी कर रहे थे। इस बार उन्होंने इस्तेमाल की हुई कारों यानी यूज्ड कार मार्केट को चुना। उस समय इस सेक्टर में कार्स24, कारदेखो, ड्रूम और कारट्रेड जैसी कंपनियां पहले से मौजूद थीं। नीरज के आइडिया पर कुछ निवेशकों ने उन्हें हतोत्साहित किया। एक वेंचर कैपिटलिस्ट ने तो उनसे पूछा, 'आप आत्महत्या क्यों करना चाहते हैं' एक अन्य निवेशक ने भी चेतावनी दी ।

2015 में शुरू हुई स्पिनी

जून 2015 में नीरज सिंह ने लॉन्च की। शुरुआत में यह एक सर्टिफाइड कंज्यूमर–टू–कंज्यूमर प्लेटफॉर्म था, जहां खरीदार और विक्रेता इस्तेमाल की हुई कारों के लिए जुड़ सकते थे। लेकिन जल्द ही नीरज को समझ आया कि इस बाजार की सबसे बड़ी समस्या सिर्फ खरीदार और विक्रेता को जोड़ना नहीं है। असली समस्या थी भरोसा। इसके बाद मार्च 2017 में अपना बिजनेस मॉडल बदल दिया। कंपनी ने कारों को खुद खरीदना, उनकी जांच और रीफर्बिशमेंट करना और फिर उन्हें ग्राहकों को बेचने का मॉडल अपनाया। स्पिनी ने ग्राहक के पूरे अनुभव को अपने नियंत्रण में लेने की कोशिश की। कार की जांच और रीफर्बिशमेंट से लेकर दस्तावेज, फाइनेंस और डिलीवरी तक कई सेवाएं कंपनी ने अपने मॉडल में शामिल कीं। यही रणनीति धीरे–धीरे निवेशकों को पसंद आने लगी। नवंबर 2021 में स्पिनी ने सीरीज फंडिंग राउंड के बाद यूनिकॉर्न का दर्जा हासिल किया। कंपनी ने अब तक करीब 698 मिलियन डॉलर की फंडिंग जुटाई है। इसके निवेशकों में क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर शामिल हैं। इस समय कंपनी की वैल्यूएशन करीब 12,000 करोड़ रुपये है। स्पिनी अब आईपीओ की तैयारी कर रही है। कंपनी ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड के पास गोपनीय तरीके से ड्राफ्ट पेपर दाखिल किए हैं। अपने प्रस्तावित के जरिए करीब 3,000 करोड़ रुपये तक जुटाने पर विचार कर रही है।

हाईकोर्ट झारखण्ड के निवर्तमान न्यायाधीश ने देवभूमि उत्तराखंड यूनिवर्सिटी के लॉ छात्रों को दिये सिविल जज बनने के गूढ मंत्र

न्यायपालिका ही है विधि की सर्वोच्च संस्था न्यायाधीश: निवर्तमान जस्टिस सुभाष चन्द

एक सत बुलेटिन, देहरादून

देवभूमि उत्तराखंड यूनिवर्सिटी में आयोजित विधि सेमिनार में मुख्य अथिति के रूप में आमंत्रित, हाईकोर्ट झारखण्ड के निवर्तमान न्यायाधीश जस्टिस सुभाष चन्द ने छात्रों को सम्बोधित करते हुए कहा कि न्यायपालिका ही है विधि की सर्वोच्च संस्था एवं अदालत ही कानून की सदैव व्याख्या करती है जो समय समय पर नये निर्णयों द्वारा प्रतिपादित होती है जस्टिस सुभाष चंद ने मानवाधिकारो पर व्याख्यान देते हुए बताया कि प्रतिष्ठा , समानता एवं स्वतंत्रता ये भारतीय संविधान ने भारतीय नागरिकों के लिए मौलिक अधिकार के रूप में दिये बुनियादी और जरूरी अधिकार हैं, जो उनके शारीरिक, मानसिक, नैतिक और आध्यात्मिक विकास के लिए आवश्यक हैं। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप-प्रज्वलित कर गणेश वंदना के साथ हुआ जिसमे विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर अजय कुमार, प्रतिकुलपति प्रोफेसर ऋतिका मेहरा, विधिविभाग के संकायअध्यक्ष प्रोफेसर अनिल कुमार दीक्षित एवं मुख्य अथिति जस्टिस सुभाष चंद्र शामिल हुए मुख्य अथिति जस्टिस सुभाष चंद का स्वागत करते हुए प्रोफेसर अनिल कुमार दीक्षित ने कहा कि न्यायमूर्ति ने स्वयं न्यायपालिका में न्यायाधीश रहते हुए अपने अधिकारों की सुरक्षा के लिये सर्वोच्च न्यायालय का सहारा लिया और नज़ीर से स्वयं के साथ साथ कई अन्य परिवादियों को न्याय प्राप्त हुआ, न्यायमूर्ति एक सामान्य परिवार के एकमात्र विधि के छात्र रहे है जिन्होंने अपनी मेहनत से हाईकोर्ट में न्यायमूर्ति तक का पद ग्रहण किया मुख्य अथिति जस्टिस सुभाष चंद ने विधि के छात्रों को प्रशस्ति पत्र देकर उनका हौसला बढ़ाया एवं आगे चल कर सिविल जज बनने का गुरुमंत्र भी दिया जिन्होंने यूनिवर्सिटी में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता बन कर प्रतिष्ठा अर्जित की सेमिनार में स्कूल ऑफ़ लॉ के शिक्षक डॉ. गौरव त्यागी, डॉ. वैशाली शर्मा , सुश्री आकांशा भट्ट, हिमांशु जखमोला, एशवर्य गौरव, डॉ.विनोद जोशी, इशिका, डॉ. राजन हांडा एवं सुश्री स्माइल गोयल सहित विधि विभाग के छात्र छात्राये मौजूद रहे

कटनी मार्बल को मिलेगी देश-दुनिया में पहचान, जीआई टैगिंग के लिए बनेगा मार्बल एसोसिएशन

एक सत बुलेटिन, कटनी।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत ग्राम पंचायत गुदरी में आयोजित उद्यमी संवाद में कलेक्टर आशीष तिवारी ने कटनी के मार्बल को देश-दुनिया में विशिष्ट पहचान दिलाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की। उन्होंने कटनी मार्बल की प्रभावी ब्रांडिंग करने के साथ ही इसे जीआई टैग दिलाने की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि जिले के मार्बल की विशेषताओं को व्यापक पहचान दिलाने के लिए उद्यमियों और प्रशासन को मिलकर समन्वित प्रयास करने होंगे। कलेक्टर तिवारी ने महाप्रबंधक उद्योग ज्योति सिंह को निर्देशित किया कि जिले के मार्बल उद्यमियों को एकजुट कर पहले मार्बल एसोसिएशन का गठन एवं पंजीयन कराया जाए। इसके बाद एसोसिएशन के माध्यम से कटनी मार्बल की जीआई टैगिंग के लिए आवेदन की प्रक्रिया शुरू की जाए। उन्होंने आश्वस्त किया कि इस पूरी प्रक्रिया में जिला प्रशासन की ओर से उद्यमियों को आवश्यक सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। उद्यमी संवाद के दौरान मार्बल उद्योग से जुड़े कारोबारियों ने अपनी समस्याएं और सुझाव कलेक्टर के सामने रखे। उद्यमियों ने माइनिंग के डेडरेंट की दर कम करने, मार्बल माइंस के वेस्ट मटेरियल के लिए ईटीपी की सुविधा उपलब्ध कराने, जिले में बनने वाले नए भवनों में कटनी मार्बल के उपयोग को प्रोत्साहित करने तथा कटनी स्टोन की प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित करने के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग रखी। इसके अलावा पावर फीडर के कारण निर्बाध विद्युत आपूर्ति में आ रही समस्या और ई-खनिज पोर्टल के अपडेशन का मुद्दा भी उठाया गया। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

सेवा संकल्प अभियान के तहत 28 से 30 सितंबर तक विकासखंड स्तर पर आयोजित होंगे सेवा सेतु कैंप

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

राज्य शासन के निर्देशानुसार खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा जिले में 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत 28 से 30 सितम्बर 2026 तक विकासखण्ड स्तर पर 'सेवा सेतु कैंप' का आयोजन किया जाएगा। कलेक्टर भिण्ड के आदेशानुसार जिला आपूर्ति अधिकारी को जिला नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। जिले में विकासखण्ड स्?तर पर भिण्ड विकासखण्ड में 28 सितम्बर को जनपद पंचायत भिण्ड मीटिंग हॉल में, गोहद विकासखण्ड में 29 सितम्बर को जनपद पंचायत गोहद मीटिंग हॉल में सेवा सेतु कैंप आयोजित किया जाएगा। जिसके लिए कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री रामबिहारी सिंह तोमर को नोडल अधिकारी नियुक्?त किया गया है। अटेर विकासखण्ड का 28 सितम्बर को जनपद पंचायत भिण्ड मीटिंग हॉल में तथा मेहगांव विकासखण्ड में 29 सितम्बर को तहसील कार्यालय मेहगांव मीटिंग हॉल में कैंप आयोजित किया जाएगा। जिसके लिए सहायक आपूर्ति अधिकारी श्री निशांत पाण्डेय को नोडल अधिकारी नियुक्?त किया गया है। विकासखण्ड रौन में 29 सितम्बर को जनपद पंचायत रौन मीटिंग हॉल में तथा लहार विकासखण्ड में 30 सितम्बर को जनपद पंचायत लहार मीटिंग हॉल में कैंप आयोजित किया जाएगा। जिसके लिए कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी श्री सुनील कुमार मुदगल को नोडल अधिकारी नियुक्?त किया गया है। कैंप का मुख्य उद्देश्य पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का शत-प्रतिशत लाभ पहुंचाना, ई-केवाईसी प्रक्रिया पूर्ण करना एवं लंबित शिकायतों का मौके पर ही निराकरण करना है। कैंप में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत अंत्योदय एवं प्राथमिकता श्रेणी के पात्र परिवारों को दिए जा रहे निःशुल्क खाद्यान्न के संबंध में जानकारी दी जाएगी। 'वन नेशन वन राशन कार्ड' योजना के तहत प्रवासी श्रमिकों को देश/प्रदेश में किसी भी उचित मूल्य दुकान से राशन प्राप्त करने की सुविधा की जानकारी दी जाएगी। नवीन आवेदनों हेतु ई-केवाईसीः 5 वर्ष से अधिक आयु के शेष 27,454 पात्र हितग्राहियों की ई-केवाईसी पूरी की जाएगी। ई-केवाईसी पूर्ण होने के 2 दिनों के भीतर पात्रता पर्ची जारी कर दी जाएगी। री-ई-केवाईसीः वर्ष 2021 से पूर्व ई-केवाईसी कराने वाले 34,332 हितग्राहियों की पुनः ई-केवाईसी की जाएगी, ताकि नियमित राशन वितरण में कोई बाधा न आए।

ग्राम पंचायत शुक्लपुरा में मतदान दिवस 29 सितम्बर को सार्वजनिक अवकाश

भिण्ड। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी स्थानीय निर्वाचन भिण्ड श्री एल.के. पाण्डेय ने जनपद पंचायत अटेर की ग्राम पंचायत शुक्लपुरा में मतदान दिवस दिनांक 29 सितम्बर 2026 (मंगलवार) को एक दिन का सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग के पत्र दिनांक 07 सितम्बर 2026 द्वारा संबंधित पंचायतों एवं निर्वाचन क्षेत्रों में निवास करने वाले शासकीय, अर्द्धशासकीय, शासकीय निगमों के कर्मचारियों व अधिकारियों को मतदान का प्रयोग करने के लिए सामान्य अवकाश तथा पराक्राम्य लिखित अधिनियम (निगोशिएबल इन्स्ट्रूमेन्ट्स एक्ट) 1881 (1881 का क्रमांक 26) की धारा-25 के अन्तर्गत मतदान के दिन जिलों के सम्बन्धित क्षेत्रों में एक दिन का सार्वजनिक अवकाश घोषित किए जाने के निर्देश हैं।

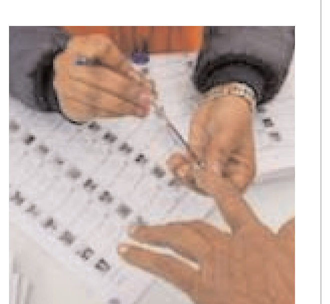

सभी निर्माण विभाग समस्त भवन एवं रोड निर्माण कार्यो को गति प्रदान करते हुए शीघ्र पूर्ण कराएंः कलेक्टर भिण्ड

एक सत बुलेटिन, भिण्ड

कलेक्टर भिण्ड की अध्यक्षता में निर्माण विभागों की समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर सहित पीआईयू, पीडब्ल्यूडी, पीडब्ल्यूडी एनएच, आरईएस, हाउसिंग बोर्ड, पीडब्ल्यूडी ब्रिज, पुलिस हाउसिंग बोर्ड के अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर ने समीक्षा बैठक के दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भिण्ड को बाईपास भिण्ड एवं अटेर के री-एलाइनमेंट, राष्ट्रीय राजमार्ग 552 हेतु भूमि अर्जन संबंधी कार्यवाही हेतु निर्देश दिए। एमपीआरडीसी को फूप से प्रतापपुर रोड में हो रहे गड्ढों का मेंटेनेंस करने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने लोक निर्माण विभाग सेतु को निर्देशित किया कि लहार-अजनार-मांगरोल मार्ग के पास सिंध नदी पर वर्ष 2023 से निर्माणाधीन ब्रिज के पुराने स्ट्रक्चर को चेक करने के पश्चात ही आगे का निर्माण कार्य किया जाना सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने अटेर -जैतपुर मार्ग के मध्य चंबल नदी के अटेर घाट पर उच्च स्तरीय पुल निर्माण में अतिरिक्त ओपनिंग के कार्य के लिए राष्ट्रीय चंबल अभ्यारण में कार्य करने की अनुमति के संबंध में एसडीओ सेतु विभाग को फॉरेस्ट विभाग के पोर्टल पर पुनः अप्लाई करने तथा व्यक्तिगत रूप से डीएफओ फॉरेस्ट आगरा से संपर्क करने हेतु निर्देशित किया। साथ ही मेहगांव-गोहद मार्ग पर बने पुलों का मेंटेनेंस करने के निर्देश दिए। लोक निर्माण विभाग भवन एवं पथ को बारिश के पश्चात मेंटेनेंस की रोड़ों में पैच वर्क करने के निर्देश दिए। सीएम राइज अमायन भवन निर्माण की प्रगति अत्यंत धीमी होने के कारण नाराजगी व्यक्त करते हुए संबंधित फर्म को ब्लैक लिस्ट करने के निर्देश एमपी पुलिस आवास एवं अधोसंरचना विकास निगम को दिए। उन्होंने सभी निर्माण विभागों को निर्देशित कर कहा कि वर्षा काल समाप्त हो गया है, इसलिए समस्त भवन एवं रोड निर्माण कार्यों को गति प्रदान करते हुए शीघ्र पूर्ण कराएं।

शहर के आजाद चौक में स्टेज से थमा शहर, मिशन चौक से स्टैंड तक जाम

एक सत बुलेटिन, कटनी।

शहर के आजाद चौक में कार्यक्रम के लिए बनाए गए स्टेज के कारण गुरुवार शाम मुख्य मार्ग की यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई। सड़क का एक हिस्सा बंद होने और वन-साइड यातायात व्यवस्था लागू होने से वाहनों का दबाव अचानक बढ़ गया। इसका असर मिशन चौक से लेकर बस स्टैंड तक साफ दिखाई दिया, जहां सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गई और वाहन चालक काफी देर तक जाम में फंसे रहे। त्योहारी सीजन के चलते शहर के मुख्य मार्गों पर पहले से ही यातायात का दबाव बढ़ा हुआ है। ऐसे में आजाद चौक में सड़क के एक हिस्से पर स्टेज बनाए जाने से आवागमन के लिए उपलब्ध जगह और कम हो गई। परिणामस्वरूप कई स्थानों पर वाहन रेंगते नजर आए और राहगीरों को भी परेशानी का सामना करना पड़ा। स्थानीय लोगों का कहना है कि सार्वजनिक कार्यक्रमों के लिए सड़क का हिस्सा बंद करने से पहले यातायात के वैकल्पिक इंतजाम किए जाने चाहिए, ताकि आम लोगों को परेशानी न हो। लोगों ने यातायात पुलिस और संबंधित विभाग से कार्यक्रम के दौरान यातायात को व्यवस्थित रखने तथा वाहनों की आवाजाही सुचारु करने के लिए पर्याप्त इंतजाम किए जाने की मांग की है।

मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अंतर्गत जिले का सातवां शिविर तहसील फूप में

भिण्ड । मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अंतर्गत जिले का सातवां शिविर 25 सितम्बर 2026 को डिग्री कॉलेज फूप में आयोजित किया जाएगा। जनविश्वास शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करने के साथ-साथ पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाएगा। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शिविर में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ उठाने की अपील की है।

अगले 3-4 दिनों तक रहें सावधान, मध्यम से भारी बारिश की संभावना

भिण्ड । मौसम विभाग का ताजा अपडेट सामने आया है। जिसके अनुसार 24 सितम्बर से 27 सितम्बर के दौरान कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश और कुछ स्थानों पर भारी बारिश की संभावना है। साथ ही कुछ स्थानों पर अत्यधिक भारी बारिश भी हो सकती है। ऐसे में लोगों को सावधान रहने की अपील की गई है। मौसम विभाग से मिली जानकारी के अनुसार राज्य के कई जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। इस दौरान भिण्ड जिले में भी दिनांक 26 सितम्बर 2026 (शनिवार) तथा 27 सितम्बर 2026 (रविवार) को बारिश की संभावना जताई गई है।

आर्यावर्त विश्वविद्यालय में फार्माकोविजिलेंस सप्ताह में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

निबंध, पोस्टर, क्विज और नुक्कड़ नाटक से दिया सुरक्षित दवा उपयोग का संदेश

एक सत बुलेटिन, सीहोर।

आर्यावर्त विश्वविद्यालय, सीहोर के फार्मेसी विभाग द्वारा भारतीय भेषजी परिषद के दिशानिर्देशों के परिपालन में छठवें फार्माकोविजिलेंस सप्ताह का आयोजन किया गया। सप्ताहभर चले इस आयोजन का उद्देश्य दवाओं के प्रतिकूल प्रभावों के प्रति विद्यार्थियों एवं जनसामान्य में जागरूकता बढ़ाना तथा औषधियों के सुरक्षित एवं तर्कसंगत उपयोग का संदेश देना रहा। कार्यक्रम के दौरान फार्मेसी विभाग के विद्यार्थियों ने निबंध लेखन, पोस्टर प्रस्तुति, लोगो पहचानो, फार्मा क्विज, फार्मा एक्सटेम्पोर, फार्मा रंगोली एवं नुक्कड़ नाटक सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विद्यार्थियों ने अपनी रचनात्मकता के माध्यम से दवाओं के दुष्प्रभावों, आवश्यक सावधानियों और औषधियों के विवेकपूर्ण उपयोग का संदेश दिया। कुलगुरु प्रो. (डॉ.) दीपक राज तिवारी ने कहा कि फार्माकोविजिलेंस केवल फार्मेसी विद्यार्थियों तक सीमित विषय नहीं है, बल्कि यह सीधे जनस्वास्थ्य से जुड़ा महत्वपूर्ण क्षेत्र है। प्रत्येक फार्मासिस्ट की जिम्मेदारी है कि वह लोगों को दवाओं के सुरक्षित उपयोग के प्रति जागरूक करे और प्रतिकूल प्रभावों की जानकारी देने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करे। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों में सामाजिक जिम्मेदारी और व्यावसायिक संवेदनशीलता विकसित करते हैं। प्रतिकुलगुरु डॉ. गिरीश त्रिपाठी ने कहा कि दवाओं की प्रभावशीलता के साथ उनकी सुरक्षा पर ध्यान देना भी अत्यंत आवश्यक है। फार्माकोविजिलेंस के प्रति जागरूकता बढ़ने से दवाओं के प्रतिकूल प्रभावों की समय पर पहचान और उनकी रोकथाम में मदद मिल सकती है। विद्यार्थियों को इस क्षेत्र में अपनी भूमिका को समझते हुए समाज के बीच जागरूकता फैलाने के लिए आगे आना चाहिए। कुलसचिव डॉ. अनुज सिंघई ने कहा कि विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम के साथ-साथ व्यावहारिक और सामाजिक विषयों की जानकारी देना समय की आवश्यकता है। फार्माकोविजिलेंस सप्ताह के माध्यम से विद्यार्थियों ने दवाओं के सुरक्षित उपयोग का संदेश समाज तक पहुंचाने का सराहनीय प्रयास किया है। फार्मेसी संकाय के डीन डॉ. सुनील प्रकाश चतुर्वेदी ने कहा कि फार्माकोविजिलेंस फार्मेसी शिक्षा का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भविष्य के फार्मासिस्टों को दवाओं के लाभ के साथ उनके संभावित प्रतिकूल प्रभावों की जानकारी होना आवश्यक है। विद्यार्थियों द्वारा सप्ताहभर आयोजित गतिविधियों में सहभागिता कर जागरूकता का संदेश देना उनके ज्ञान को व्यावहारिक रूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास है। समापन अवसर पर विश्वविद्यालय के सभागार में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने भविष्य के फार्मासिस्ट के रूप में समाज को दवाओं के प्रतिकूल प्रभावों से सुरक्षित रखने तथा औषधियों के सुरक्षित एवं तर्कसंगत उपयोग को बढ़ावा देने की शपथ ली।

शहरों-गांवों में मिलेगी डायरेक्ट बस कनेक्टिविटी

मुख्यमंत्री और परिवहन मंत्री गडकरी बसों को हरी झंडी दिखाकर प्रदेशवासियों को देंगे सौगात

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

प्रदेश में 25 सितंबर से सुगम यात्री परिवहन की दिशा में नया अध्याय लिखा जाएगा। लंबे अरसे बाद प्रदेश में सरकारी नियंत्रण में गांव से शहरों तक बसें दौड़ती नजर आएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी भोपाल के भेल दशहरा मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में 7 शहरों की 351 इंटरसिटी और इंट्रासिटी बसों को हरी झंडी दिखाकर मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत करेंगे। प्रदेशवासियों को सुगम, सुरक्षित, आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा शुरू की जा रही है। इस सेवा से शहरी-ग्रामीण क्षेत्रों में बस कनेक्टिविटी को मजबूत किया जाएगा। प्रदेश की 75 प्रतिशत ग्राम पंचायतों तक परिवहन सेवा का विस्तार किया जाएगा। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के शुभारंभ अवसर पर प्रदेश के 7 शहरों की 351 इंटरसिटी और इंट्रासिटी बसों को एक साथ हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। इसमें इंदौर, भोपाल, जबलपुर, रीवा, देवास, कटनी और भिंड शामिल हैं। शुरुआती चरण में इंदौर में 145 बसें जिसमें 50 इंटरसिटी और 95 इंट्रासिटी, भोपाल में 106 बसें जिसमें 23 इंटरसिटी और 83 इंट्रासिटी, जबलपुर के लिए 67 बसें जिसमें 14 इंटरसिटी और 53 इंट्रासिटी, रीवा में 18 इंटरसिटी बसें, देवास में 10 इंटरसिटी बसें, कटनी में 3 और भिंड में 2 इंटरसिटी बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा अंतर्गत वर्ष 2031 तक प्रदेश में 15 हजार बसें संचालित करने का लक्ष्य रखा गया है, जबकि पहले वर्ष यह लक्ष्य 1,500 बसों के संचालन का होगा। इसके बाद प्रतिवर्ष लगभग 2,500 से 3,000 बसें बढ़ाई जाएंगी। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा अंतर्गत पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल को बढ़ावा दिया जाएगा। ये बसें आधुनिक सुविधाओं से युक्त होंगी और सुरक्षा की दृष्टि से अनुकूल रहेंगी। जन-निजी भागीदारी को गति देने के लिए पारदर्शी अनुबंध प्रणाली और प्रोत्साहन योजनाएं लागू की जाएंगी। इस मॉडल अंतर्गत निजी बस ऑपरेटरों को विज्ञापन एवं कार्गो सेवाओं जैसे नॉन-फेयर रेवेन्यू से आय बढ़ाने के साथ ही आधुनिक डिपो और टर्मिनल सुविधाओं का उपयोग करने के अवसर मिलेंगे। बस संचालन को प्रभावी और सुचारु बनाने के लिए निजी ऑपरेटरों को प्रशासन का पूर्ण सहयोग भी उपलब्ध कराया जाएगा। शुभारंभ कार्यक्रम में परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह, प्रभारी मंत्री भोपाल श्री चैतन्य काश्यप, लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह, सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री श्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण राज्यमंत्री श्रीमती कृष्णा गौर, सांसद श्री आलोक शर्मा, महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक हुजूर श्री रामेश्वर शर्मा, विधायक बैरसिया श्री विष्णु खत्री, विधायक दक्षिण-पश्चिम श्री भगवान दास सबनानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि सहित गणमान्य नागरिक व अधिकारी उपस्थित रहेंगे। इंटेलिजेंट ट्रांसपोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम के माध्यम से बसों के संचालन, लोकेशन और समयबद्धता की रियल-टाइम मॉनिटरिंग की जाएगी।

महिला पुलिस कर्मियों के बच्चों की सुविधा के लिए पुलिस पब्लिक स्कूल नेहरू नगर में नवनिर्मित वात्सल्य झूलाघर का शुभारंभ

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पारिवारिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस पब्लिक स्कूल, नेहरू नगर में महिला पुलिस कर्मियों के छोटे बच्चों की देखभाल के लिए 60 बच्चों की क्षमता वाले नवनिर्मित वात्सल्य झूलाघर (डे-केयर सेंटर) का पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा द्वारा शुभारंभ किया गया। झूलाघर की सुविधा से ड्यूटी के दौरान छोटे बच्चों की देखभाल को लेकर पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को सुविधा एवं राहत मिलेगी। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने कहा कि पुलिस विभाग में महिला आरक्षक, महिला सब इंस्पेक्टर, डीएसपी सहित विभिन्न रैंक पर महिला अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही हैं। वर्तमान समय में पति-पत्नी दोनों के नौकरीपेशा होने की स्थिति भी सामान्य है। पहले संयुक्त परिवार व्यवस्था में दादा-दादी अथवा परिवार के अन्य सदस्य बच्चों की देखभाल कर लेते थे, लेकिन बदलते समय में नौकरी के लिए परिवार से बाहर रहना पड़ता है। ऐसे में छोटे बच्चों की देखभाल एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। कर्मचारियों के छोटे बच्चों की उचित देखभाल बहुत जरूरी है, ताकि वे निश्चिंत होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें।

मिलेट्स उद्यम को दी नई उड़ान: ‘मिली अन्ना’ ब्रांड से बनाई पहचान, दो युवाओं को भी दिया रोजगार

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

हुनर के साथ सही मार्गदर्शन और आर्थिक सहयोग मिल जाए, तो छोटा-सा व्यवसाय भी सफल उद्यम का रूप ले सकता है। भोपाल जिले के फंदा विकासखंड की श्रीमती आकांक्षा वेक्टर ने इसे साकार कर दिखाया है। प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना (क्क्व्स्ध) के सहयोग से उन्होंने अपने छोटे मिलेट्स व्यवसाय को आधुनिक प्रसंस्करण एवं उत्पादन इकाई में बदल दिया है। कभी 10 से 15 हजार रुपये प्रतिमाह कमाने वाली आकांक्षा अब सभी व्यय और बैंक ऋण की किश्त चुकाने के बाद प्रतिमाह लगभग 40 से 50 हजार रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित कर रही हैं। पूंजी की कमी से थम रहा था कारोबार आकांक्षा के पास मिलेट्स से पौष्टिक खाद्य उत्पाद तैयार करने का हुनर और व्यवसाय को आगे बढ़ाने का जज्बा था। सीमित संसाधनों और छोटी मशीनों से उत्पादन करने के कारण उनके व्यवसाय का अपेक्षित विस्तार नहीं हो पा रहा था। उत्पादों की मांग होने के बावजूद आधुनिक मशीनरी खरीदने तथा उत्पादन क्षमता बढ़ाने के लिए आवश्यक पूंजी की कमी उनके सामने सबसे बड़ी चुनौती थी। उस समय उनकी मासिक आमदनी लगभग 10 से 15 हजार रुपये तक सीमित थी। आकांक्षा को उद्यानिकी एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, जिला भोपाल के माध्यम से प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्यम उन्नयन योजना की जानकारी मिली। विभागीय अधिकारियों के मार्गदर्शन में उन्होंने अपनी इकाई के विस्तार के लिए आवेदन किया। वर्ष 2026-27 में आईडीबीआई बैंक, भोपाल से उन्हें 4 लाख 50 हजार रुपये का ऋण स्वीकृत हुआ। योजना के अंतर्गत 35 प्रतिशत अनुदान का लाभ मिलने से आधुनिक मशीनरी स्थापित करने और व्यवसाय का विस्तार करने का उनका सपना साकार हुआ।

चुनाव प्रक्रिया को लेकर कांग्रेस करेगी आंदोलन : जीतू पटवारी

भोपाल। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कहा है कि मतदाता सूची और चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता को लेकर कांग्रेस निर्णायक आंदोलन करेगी। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में पत्रकार वार्ता में पटवारी ने कहा कि कांग्रेस पिछले करीब दो वर्षों से लोकतंत्र, मतदाता अधिकार और चुनाव प्रक्रिया से जुड़े सवाल उठा रही है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ढ्ढक्र) के दौरान मतदाता सूची में हुए बदलावों का विधानसभा और बूथवार विवरण सार्वजनिक किया जाना चाहिए। पटवारी के अनुसार दिसंबर 2025 की ड्राफ्ट प्रक्रिया में 42,74,160 नामों से संबंधित जानकारी या फॉर्म उपलब्ध नहीं होने की बात सामने आई थी। फरवरी 2026 की अंतिम सूची में 5,39,81,065 मतदाता दर्ज हुए और रिपोर्टेड आंकड़ों के अनुसार 34,25,078 नाम हटाए गए, जबकि ड्राफ्ट सूची की तुलना में करीब 8.49 लाख मतदाताओं की शुद्ध वृद्धि हुई। जोड़े गए नामों का पूरा विवरण सार्वजनिक किया जाए।

स्वच्छता अभियान के तहत रेलवे कॉलोनी में स्वच्छता व रेलवे स्कूल इटारसी में खेल प्रतियोगिता आयोजित

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल में स्वच्छता ही सेवा अभियान 2026 के अंतर्गत स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से दिनांक 24 सितंबर 2026 को विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। अभियान के तहत रेलवे कॉलोनी में निवास करने वाले लोगों को प्लास्टिक का उपयोग नहीं करने तथा कचरे का स्रोत पर ही पृथक्करण करने के लिए प्रेरित किया गया। इस दौरान रेलवे कर्मचारियों एवं कॉलोनीवासियों ने स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने वाले नारे लगाए तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण बनाए रखने का संदेश दिया। इसके पश्चात रेलवे स्कूल, इटारसी में विद्यार्थियों के लिए खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में स्वस्थ जीवनशैली, अनुशासन, टीम भावना एवं सक्रिय सहभागिता की भावना को प्रोत्साहित किया गया। भोपाल मंडल द्वारा स्वच्छता ही सेवा अभियान के अंतर्गत रेलवे परिसरों, स्टेशनों, रेलवे कॉलोनियों एवं अन्य स्थानों पर स्वच्छता के साथ-साथ जन-जागरूकता से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन निरंतर किया जा रहा है, ताकि स्वच्छता को जनभागीदारी के माध्यम से दैनिक जीवन का हिस्सा बनाया जा सके।

मानवता का महापर्व - विशाल रक्तदान शिविर - संत निरंकारी सत्संग भवन, बैरागढ़ में शनिवार को

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल।**

सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आशीर्वाद से संत निरंकारी चेरीटेबल फाउण्डेशन के तहत 26 सितम्बर शनिवार को प्रातः 9 बजे से सांय 5:00 बजे तक मानवता का महापर्व - विशाल रक्तदान शिविर संत निरंकारी सत्संग भवन, स्काईलैंड गार्डन के पास, बैरागढ़ में शासकीय हमीदिया ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित किया गया है। शनिवार को आयोजित होने वाले इस मानवता के महापर्व के लिए ब्रांच संयोजक श्री महेश वीधानी द्वारा सभी से आग्रह किया गया है कि इस मानवता के परोपकार वाली सेवा में सहभागी बनकर स्वयं तो रक्तदान करें एवं दूसरों को भी रक्तदान करने के लिए प्रेरित करें, क्योंकि आपके द्वारा दिया गया एक यूनिट रक्त किसी पीड़ित की जान बचा सकता है और जो रक्तदान करता है, निश्चित रूप से उनकी पीढ़ियां सुखों की भागी बनती है। संयोजक श्री वीधानी ने बताया कि इस दुनिया में ऐसी कोई फैक्ट्री नहीं है जिसमें रक्त निर्मित होता हो, यह सौगात केवल और केवल मानव शरीर को ही प्राप्त है और यह सही अवसर है कि हम रक्तदान करके किसी को जीवन दान दे सकते है ?। सतगुरु द्वारा दिये गये संदेश मानवता की सेवा में प्रतिपल समर्पित हों हमारा जीवन, ऐसी ही भावना से युक्त जीवन हम सभी ने जीना है। ‘रक्त नाड़ियों में बहे- नालियों में नहीं’ को चरितार्थ करना है। उल्लेखनीय है कि संत निरंकारी मिशन बैरागढ़ ब्रांच द्वारा वर्ष 2012 से निरंतर प्रतिवर्ष रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। वर्ष 2023 में मिशन की बैरागढ़ ब्रांच द्वारा 601 यूनिट, वर्ष 2024 में 485 यूनिट और वर्ष 2025 में 505 यूनिट का रक्तदान किया गया था।

सड़कों से 24 पशु पकड़े, 7 बीमार पशु आसरा भेजे

भोपाल। नगर निगम ने सड़कों, फुटपाथों और सार्वजनिक स्थलों पर स्वतंत्र विचरण करने वाले पशुओं को हटाने के लिए अभियान चलाया। निगम के गोवर्धन परियोजना शाखा के अमले ने गुरुवार को शहर के विभिन्न क्षेत्रों से 24 पशुओं को पकड़कर कांजी हाउस भेजा, जबकि बीमार और घायल 7 पशुओं को आसरा पशु चिकित्सालय पहुंचाया गया। हांका पार्टी ने 15 पशुओं को सड़कों से हटाया। गणेश प्रतिमा विसर्जन स्थलों और मार्गों पर यातायात व्यवस्था सुगम बनाए रखने के लिए भी अभियान चलाया गया।

त्योहारों पर भोपाल मंडल होकर संचालित 3 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के फेरे पुन: बढ़ाये गये

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

आगामी त्योहारों के दौरान यात्रियों की बढ़ती मांग एवं अतिरिक्त यात्री यातायात को ध्यान में रखते हुए रेलवे द्वारा विभिन्न स्पेशल ट्रेनों के फेरों को पुनः विस्तारित किया गया है। इन ट्रेनों के विस्तारित फेरों से यात्रियों को आवागमन में अतिरिक्त सुविधा मिलेगी। भोपाल मंडल होकर संचालित स्पेशल ट्रेनों के विस्तारित फेरों का विवरण निम्नानुसार है:- 1. इंदौर-सूबेदारगंज स्पेशल (वाया रूठियाई-गुना-शिवपुरी) ट्रेन संख्या 04170 इंदौर-सूबेदारगंज स्पेशल के फेरों को 03 अक्टूबर से 28 नवंबर 2026 तक प्रत्येक शनिवार एवं मंगलवार को चलाए जाने के लिए विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 04169 सूबेदारगंज-इंदौर स्पेशल के फेरों को 02 अक्टूबर से 27 नवंबर 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार एवं सोमवार को चलाए जाने के लिए विस्तारित किया गया है। 2. बांद्रा टर्मिनस-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्पेशल (वाया चाचोड़ा बीनागंज-रूठियाई-गुना-शिवपुरी) ट्रेन संख्या 02200 बांद्रा टर्मिनस-वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी स्पेशल के फेरों को 03 अक्टूबर से 28 नवंबर 2026 तक प्रत्येक शनिवार को चलाए जाने के लिए विस्तारित किया गया है। इसी प्रकार ट्रेन संख्या 02199 वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल के फेरों को 01 अक्टूबर से 26 नवंबर 2026 तक प्रत्येक गुरुवार को चलाए जाने के लिए विस्तारित किया गया है। 3. उधना-प्रयागराज स्पेशल (वाया रूठियाई-गुना) ट्रेन संख्या 04106 उधना-प्रयागराज स्पेशल के फेरों को 02 अक्टूबर से 30 नवंबर 2026 तक प्रत्येक शुक्रवार एवं सोमवार को चलाए जाने के लिए विस्तारित किया गया है।

‘शहर नदी संवाद 2026’ कार्यक्रम का हुआ आयोजन

नदियों का संरक्षण और शहरी विकास एक-दूसरे के पूरक: आयुक्त भोंडवे

■ एक सत बुलेटिन, **भोपाल**

नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने कहा कि शहरों का विकास और नदियों का संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं; नदियां न केवल पर्यावरण और समृद्ध जैव विविधता का आधार हैं, बल्कि हमारी भावी जल सुरक्षा की संवाहिका भी हैं।’ नगरीय विकास एवं आवास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे गुरुवार को स्कूल ऑफ प्लानिंग एंड आर्किटेक्चर (एसपीए), भोपाल में आयोजित ‘शहर नदी संवाद 2026’ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि आधुनिक शहरी नियोजन के केंद्र में नदी, उसकी सहायक धाराओं, जलग्रहण क्षेत्र और प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को प्राथमिकता के साथ समाहित किया जाना अनिवार्य है। छोटी धाराओं एवं हैडवॉटर स्ट्रीम्स का संरक्षण अति आवश्यक आयुक्त श्री भोंडवे ने कहा कि नदी संरक्षण का दायरा केवल मुख्य प्रवाह तक सीमित नहीं रहना चाहिए। हैडवॉटर स्ट्रीम्स एवं सूक्ष्म सहायक धाराओं का संवर्धन ही निरंतर जल प्रवाह, भूजल पुनर्भरण तथा जैव विविधता को संबल प्रदान करता है। उन्होंने भोपाल की कालियासोत नदी सहित अन्य जल प्रणालियों के पुनरुद्धार एवं संरक्षण के लिए वैज्ञानिक दृष्टिकोण, स्थानीय समुदायों की सक्रिय सहभागिता और सुव्यवस्थित शहरी नियोजन के मध्य अंतर-विभागीय समन्वय पर विशेष जोर दिया। बहुविषयी विमर्श में भावी नीति-निर्माण एवं लैंडस्केप फ्रेमवर्क पर मंथन ‘शहर नदी संवाद 2026’ के मंच पर प्राकृतिक, भौतिक एवं सामाजिक विज्ञान के विशेषज्ञों सहित शोधकर्ताओं, डेवलपमेंट प्रोफेशनल्स, कलाकारों और कवियों ने सहभागिता कर अंत:विषयक दृष्टिकोण साझा किए। कार्यक्रम में दक्षिणी विंध्य क्षेत्र से उद्गमित होने वाले मध्य भारतीय वॉटरशेड की हैडवॉटर धाराओं, तटीय क्षेत्रों (राइपेरियन ज़ोन) के संरक्षण तथा अनियंत्रित शहरीकरण के पर्यावरणीय प्रभावों पर गहन विचार-विमर्श हुआ। इस संवाद के माध्यम से भावी शोध प्राथमिकताओं, जन-हितैषी नीति-निर्माण और व्यापक लैंडस्केप फ्रेमवर्क के विकास की दिशा तय की गई।ह्र

स्वामी एक सत प्रयास जनकल्याण समिति भोपाल के लिए, प्रकाशक एवं मुद्रक, **संपादक अमित शर्मा** द्वारा ए -1 माचना कॉलोनी , शा. राजीव गांधी स्कूल के पास, शिवाजी नगर, भोपाल (मप्र) पिन - 462016 से प्रकाशित एवं विनर प्रिंटर्स प्लाट 241-242 डायनामिक सेन्टर, एमपी नगर जोन-1 भोपाल से मुद्रित। **स्थानीय संपादक सुनील नायक**, पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।
RNI- MPHIN/2018/76807/ E-mail-eksatbulletin@gmail.com, डाक पंजीयन नंबर MP/BHOPAL/4-501/2020-22, मार्केटिंग एवं अन्य जानकारी हेतु संपर्क करें- फोन: 0755-4515227, मोबाइल: 9691653088